THE INSTITUTE FOR ADVANCED STUDIES OF WORLD RELIGIONS

FILM—STRIP NO. MBB—1971—45-48

BUDDHIST SANSKRIT MANUSCRIPTS

মাত্রা। ॥ ॥ ॥ শক্রাদেবেন্দ্রো দেবেশস্ত্রয়স্ত্রিংশো নৈরীক্ষেনাঙ্গুহেন গবেদিবাকরস্য সাব
বাহুস্য ॥ ॥ ॥ ॥ যদি মেহন কি ঘ্রমস্থান। শক্রস্য দেবেন্দ্রস্য বন্যুন্নতাবেন সবন্ধ
২ ॥ ॥ ॥

गृह मासाद्य यद्वीक्षकश्चेदं गृहं घ्रस्य आगमनेन । कदाचिद्यात्कि मागमनप्रयो
जनमिति । शक्रोदेवेन्द्रः कथ यति । मारवाहन मयूर । मयूराभिनन्दीकदाग्रे
णसयलो को आवइ जीवंतल हयं शरणं गंतु । मयूरस्तेऽवेद्यगीते । दिवाकरः
मारवाहोऽभ्युत्थ्युदग्र मनाः कथयति । देवेन्द्रमथाहमाह्वयमिति
कदाचिमारवाहनमयूरेणसयलोको आवइ जीवंतलहयं शरणं गंतु । शक्रोदेव

[illegible]

[illegible]

[illegible]

স্বনরা০ স্ত্রীযত্ন স্থানে সেমনোবাগোযসামেগৃহ্যাঃ সুখামহে সাম্যাঃ স্বরোগ্রহগতি।
ঋষ্যৃষ্যৃষ্যযহিহমনাস্থানি ইবস্তাবি মমণ্ড ব্রহ্মণ্য যথাব নীয কস্য ক্রম
সাধ্যবৈনাস্ত্রবেত্যো দস্তানি হস্য বঙ্গমানস্য স্ত্রীণি মস্তকান্যেকবিংশতিব
সাধ্যে কুবেণ সাহস্রাহস্য ইতি মহংকর্তা নাম বেয় ঝবস্থায়াত্ত। কিংকব।
ইত্যাদিকর্ম নামেতি। স্থাহয ইহ্যুরং হমাবহ ইত্যুস্ত্রবন্তুবন্তুয়াবন্তুপ্রস্তুতহয়া সমবাগতে

ॐ

विकलानिवस्त्वाकडङ्गिर्वा किमनेनशरीरेणयूयंविस्रवशसमा निर्ठोगाद्धि
यतमकनामरणशीकृता ॥ अनेनयूयंकायेनसंगंवेलाकलेपुत्र ।
१ निर्मोक्षयरमाशान्तो यत्नेनमनसंमतिं ॥ अस्मिन्नेहागावाकस्मात्
वनवनुष्कमानवसंवेग ॥ समासान्निर्वाणानुगमयमीसंस्थाभिः
स्वर्वर्द्धनाद्भवायस्कंठ। आर्यकिमयमिति स्कंधाहिमायुष्मन्बुद्धवचनमिति

ॐ नमः श्रीभगवच्छासनमहाप्रसादस्वरूप। ब्रह्मणि लोके नोक्तानि तानि।
इदानीं किं कथयामि सद्भूत
यादृशो विषयः कथ्यते तथा यथा बुद्धे भवेत्।
तत्र कर्मान्तरायायेभ्यः
यद्यपि तु महीतिः। ईक्षणादिभिः समायुक्तः
तत्रैव लोकमात्रायि
ज्ञानमिति। सकेथयति नेति। ईक्षणं कथयति।
गद्यमात्रायुक्तानामायिकलोगवदवलोकयन जनब्रह्मणमात्रायि ज्ञानसंयुक्त

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

सकमाराङ्गीरुयौवनशालिनी [illegible]
कुरुते [illegible]
कण्ठे हृदये [illegible]
[illegible] हनुमन्वचः [illegible]
हनुमन्वा [illegible]

[illegible] प्रियं विहृत्य [illegible] स्वामिसुतृष्णाहिममानसं ।
[illegible] यौवनस्थं [illegible] कामोऽपि [illegible]
[illegible] नेना हनुमन्नेर्वर्णा [illegible] कथं [illegible]
[illegible] यथा [illegible]

MICROFILM PROJECT MBB

MBB-1971-45
1. Film strip number

16
2. Source

STHAVIRA ĀNANDA GUNAMAHĀTMYA
3. Title

DIVĀKARA SĀRTHAVĀHA

4. Additional titles, shortened forms of title, etc.

N.S. + 880 = A.D.
5. Year in which MS was copied (Nepali Samvat and Christian Era)

6. Name of Scribe

PALM LEAF
7. Material (Palm leaf, etc.)

ANCIENT MALLA SCRIPT
8. Script

5 cm. x 18 cm.
9. Size

5.
10. Lines to a page

174
11. Number of leaves in complete work

×
12. Missing leaves

13. Author and Date of composition (if given)

×
14. Number of Chapters

15. Remarks

Story of Divākara Sārthavaha, one famous businessman at the time of Ānanda. It is very important to understand the society of Buddha age. This book was copied for the sake of Śākya Bhikṣu Buddhākaragupta.

September 6, 1971.
Date photographed

স্যাদিবাকর সাববাহং সযলীকং শরণাগমনে প্রতিষ্ঠায্য রাজগৃহে মূর্তি সাধ্যান্ত্রয়
[illegible] তস্মাদেব প্রত্রমাসবনে তত্র শক্রাদেবে[illegible]
৪ [illegible] বিস্মরেণা ত্যাতবান্ যাবদসৌ বে[illegible]
[illegible] রাজগৃহেন গবে দিবাকরস্য সাববাহস্য প্রত্যো কৃষ্ণেন
কান্তো। সযত্নত্বেন তস্যাও কৃষ্ণেন প্রকাশমুক্তত্বেন তস্যাও সাববাহু প্রত্যো শ্রীবে[illegible]

ঘঙ্কতমাগ্রাহর্দ্রিগা। মনোঙ্কুযগন্বৎ ঘ্রবান্তু মারহ্বৎ। যঙ্গাবেণি কাএকাত্মা [illegible]
যেমাহগাসো কহমেযঙ্ক। বঙ্ক ঘ্রহ্ব ঘঙ্গানাহি। বিরকু ঙ্গানাহি। [illegible]
শ্রুং ঙ্গানাহি। গহ্ন মবক্রান্তু ঙ্গানাহ। যমাগকাসা ঙ্গাহ্ব বস্তাম [illegible]
[illegible] ঙ্গানাহি। যাবিকাঙ্গানা ঙ্গি। মতেঘাবকো ভবহি দহি [illegible]
মাত্রেঙ্গানিবা ভবহি। বামঙ্গহি। সুলহি ঘুহি। মাত্মাঙ্গ [illegible] তুমনা [illegible]

[illegible]

ङ्यामः ठि। सकथ सत्येद ङ्वोमीठि। ठ्ठः स्ववनुवन्नः मसारः संसारङ्ग्याहि
मुमनाः स्वनिवेशानंगत्वा मानुः याय्यांश्चियमकथ सत्यां वज्रनीहि।
१२ मावद्ध्वा मस्वाम्यालेवर्म विनत्मो ङ्ग ङ्ग्त्वा मामाग्य रक्षिया दमाघ
मा ङ्ग्रमे ग्रहाव यत्वा कव यहि। ग्रहत्मो एकग्रहकः ग्रियोमन मायः
कान्त्रो ह्यहि कृनोमनोवपशत्रे ग्रहिलहः। कथ्नामत्वं मामयत्वा ग्रहङ्

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

इत्यार्यमहर्षिसे । आयुन्नसत्तोऽस्मिसंभृता । यथा वामेयं क्षीणं कस्किं नि [illegible]
नियतं यावकोऽवेमहीति ।
क्षन्नमथ मक्षिणा स्वाद्मनिश्र
लघेनं घ्रत्रमथं यशोमंडा
कयाद्वाया ग्रहयेत्यथेत्र ।

क्षत्रोऽमन ० सोमाद्यात्मनाकुसंर्थ ० ग्रहकाय म
सायो यानस्य यान यति । अयोवाहं ० ३ रकालानि
तोमेस्यान्नावडाहः कृतानिमे कर्मिकृत ० ग्रहवि
नवं शोमे ३ रस्कृतिक ० स्याद स्याकथा यतीत ०

কানগঙ্গা নামন্যবাপ্রবৃত্তস্বাযানানি দত্তাম্ব্যানিকৃতাস্মাকঞ্চ নাম্নাদক্ষিণাসাদে
স্থিতে। ঈদৃশোযঃহগতো যমন্নসোকৃতো নগঙ্গাহিতি। স্বামন্নসতো
নাস্তিদত্তা। ডযর্ঘ্রাঃ সাদহনগঙ্গাম্রযন্নহবোরগ্রহি। শাস্তে শাস্তো
যকরলৈ ডাম্বুডম্বোযকর লেবৈযপ্রকৃয়ে নাহীনে স্নাতিহিক্রেনাত্রেনা
তিনবলৈনাইমবুবৈনাতিকহুকৈনাইকযাত্রৈ স্মিকামুলবণমবুরকহুককস্বা

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१९ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

এষ। কথঞ্চনামমবৎহি মিত্রামোনম্মন্যে। ঈদৃশ্যঞ্চনযদকন্যাবেন্যাওঁ
যাও সাবীবঙ্কুনিয়া
২২ বামাঁ মুখাবংযাঁমীঁ
মাবস্থ যনাযেযং।
পাবিকেঁ। মযঞ্চমামাযঞ্চাবযানাম্নিস্ক্রস্য সবঁইবেননিও যনাত্থযঞ্চোয

ইলা

ক্ষ

ক্ষযিষ্যামি। সর্ব্বথাকামংস্বশীবিঞ্চবীনাপোনবি
নিগ্রযঞ্চ বাক্যস্য দুর্ব্বিকল্পনাযগলংযঞ্চ
বংমযাবর্ষ্যবিরঙ্কতোঽবৈষ্যঁ। কাবিযকা

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] । [illegible] । [illegible] । [

[illegible]

दिवाकरस्य सार्थवाहस्य सत्यो कस्को प्रतिसर्वं गृहाणेति। स कथयति कौशिक
सार्थवाहो सार्थवाहस्य साहसे प्रसादो नास्ति। शक्रः कथयति। सार्थ
गृहाणेत्यहं नृपाकरि स्यामि यथा सो सार्थवाहो दुःखं न प्राप्नुयात्। प्रसादयो
ति। येन प्रकारेण कथयति। कौ शिक सत्येन सो सार्थवाहः सत्यनीरो यावद्भावं
बलप्रसादं शक्रेण मह्यं सार्थवाहस्य सत्यो कस्को प्रतिसर्वं गृहाणा

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ॥ ॥

हा मम हृदयसर्वस्व। हा मम सारमर्मस्थ। हा मम नेत्रामृत। हा मम प्राणैरपि निर्वचन।
हा मम कर्णनिमग्नस्व। हा कथमविशङ्कं मम नाथो वर्तते नीयते मम
२२ ति। यन्मम शिवहृदकर
ह। हा हा स्वामिन्मानन्दा
हा हा स्वामिन्मानन्दा
हा हा स्वामिन्मानन्दा

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

যৌবাদ্বিষ্ণ্যযযামাসবিস্বনীয়ঙ্গ্রহং॥অবিনীতোবিস্বযৌবানচমেহন্যযি
যঃ। যাদবমধ্যযেস্ত্ব বংনীযমানংসহ্যাম॥অন্যকন্যাসতেদস্তিম
স্ত্বযাতোগ্যশোস্ত্ববাঃ পামেক্রিযগং যৌবাযপায়ংস্থানিপ্রহকং॥
নমযাযেসমানেহস্মহনা স্থৈর্বিনেযনেঃ। মস্তিতোনাযেবহপাবোহনা
হংযবিহস্তিঃ॥কংকাস্থৈবনস্কাস্থৈর্নমযাসমনংকহঃ। নবিস্বযংযস্ত্বক্রোবহ

[illegible]

ईश्वरायाव्रह्म। सर्वशास्त्रमवर्ग्यं वेदान्तकानां यथा तेषां सा वाक्यं नव
कर्मकामायनैव यथा ये नास्य वाक्यं वर्तुं वेदान्तविदुमकृत। अनाय
कार्येन राज्ञायदेवमवेस यद्वत यद्वैनाशयशीह। तेन तेन लिंगा
महाविद्यं कलयिताऽहो वोऽस्य कृतान्यस्य स्वसहस्राः अनुमत्वा
सहस्रोऽकर्मशास्त्रं सहस्रशास्त्रमवशास्त्रिर्यलीकृत्य सन्नानीकृत्यानाक्षयक

[illegible] বিক্রয়ী হমারহাঁ যুসীদস্বামিন' কিঞ্চায়ি বয়বা যাকা
[illegible] মহাঙ্গনবন্ধু' যুযাকৃত্বি
২০ [illegible] কথযাতি' ভবন্তো যদি যুযমেনং নযুক্তি
[illegible] একনহবান্ধবানাং গৃহীত্বা নভবন্তো
[illegible] ভবন্তোঽস্যামাত্য মানাযান্তু [illegible]

নৈ গর্ব্বন্তি। কাশ্চিদ্বন্ধ্যাঽয়ন্তি। কাশ্চিল্লোকাদ্গ্রায়ন্তি। এবং কাশ্চিদ্বন্ধুবিয়োগসহং
বিয়োগদুঃখমনুভবন্তি ম। মহাজনবন্ধুলোকো মহামারাজগৃহনগর
২৫ নিবাসীজনকামোযদ্বয়সা দ্বিয়োগদুঃখমাসাহলো বিক্রোশ্বসারদুঃখসাহয়ঃ
হং নগরমাকুলাকুলং স্থায় ৩ লে। দ্বিয়োগাসাহত্বং সাহত্বং দ্বি। বিয়াকর
মাকারবাহ্যগৃহাদ্বারিকাবীথীসবর্ত্তীনা। দয়াথ বহুস্থানুঃ অনুকূলগ্রহমানাঽনস্য

শ্লোনাথীস্থিতঃ॥নমাঃ যক্ষদক্ষিণী হৃদয়ঙ্গানেমায়ুবহনা। এবমেবকথয়াসনীয়
ত্রিলোকস্থলোনম।স্মৃনা মেদিগ্ধঃ সর্ব্বাবেয়লেনেকঙ্কেবরং॥ দক্ষিণ
২১ দুঃখগ্রাহনোহিমেহনমা নমঃ। হবিহ হবিহ নীলোনুশাসেবরাযাত
কেশাহাহানুযোহস্যা মিত্রং হৃদয়বল্লভং। নূনং কৃতমায়াযাযমনা
হ্যবিদ্যারণ্যে যেনবং মহাশোকেন দগ্ধেকস্মিন্নাগ্নিনা। যেনসত্যেন ভুজে

সর্ব্বস্বমেতত্ত্বাহিনীবন্ধনং। এতন্মেত্রামৃতং নৃণাং নীয়তে বধ্যঘাতকৈঃ॥ সর্ব্বমেতদ্বিশ্ব
তেষ্বেতদ্বন্ধুনিরুদ্ধ্যতে। মহা
৫২ মহাং যন্মেতস্য যদ্বিমুক্ত
শ্বস্তুতব সঙ্কং ন্যাঃ ঝঝ্বাশ্ব
কর্মহি। সথ ইবাকরঃ সাববাহঃ মত্র বিয়োগশোকদুঃখঃ আস্যাহলো যিবসমবন

তিবানং হৃদয়ং মেতদ্ব্যোর্য্যনীয়তে। তস্মাদ্যুক্ত
যে। সর্ব্বস্বমধিদ্বোম্বয়ং মাঞ্চ বিমোচয়। স
সিত্তমুনঃ। সূর্য্যেব তঞ্চ হীবনং দুঃখাসিতবয়ং

[illegible]

[illegible] যথা সন্ধ্যে বুনবিধি নাম্র যাত যত্ন। নত যুষ্মাত্ম [illegible]

৫৬ [illegible] কস্য বিত্ত বানে না যং সোক্ত বত্তা এবং হি সর্ব গাগ্রে যোত [illegible]

[illegible] যাত্যা বসা কংনোনী তি এবং স্বা মিন্নি তি রাত যস্ত যাত [illegible]

[illegible] যত সপ্ত মুত্তা সুবর্ণ যাত কাব্যাস্কে যগতানে কবিলোত [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ग्रहिस्तुनन्दकरघटः। यौरानवाह॥ सोऽसोऽयौरोऽक्षयतां कथन्नामयुक्तं कर
हा मामेदं ग्रसनमयमी हमयेक्षतु। कथमहं यामि वा विशार्य नगरमा
धानमुष्माकं यथाक्रमेव यकाशगुणोऽयमेकमाबेवा मनीयते। कथम
त्याज्यकाष्ठमुष्ठ। कथं प्रश्नी कारावि विनश्यिनाते। कथं कमारमयुक्तमेनम्
यत्वं मिठे। ठकथयतु मानवाहं दृष्टोऽयं कमालोगुणवांमुवेवे कमोदं ग्रसनमधि

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
२१ [illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

२) [illegible] मानाक्यनधकवनेमा [illegible]
[illegible] गद्यकण्ठाऽऽद्धिनमारवा [illegible]
[illegible] लोयनेवश्विवकार्योनिया [illegible]
[illegible] नामस्येनस्य [illegible] कर्मी नमाङ्क्या [illegible] किम्यरिवेतस्वे [illegible]

বীথীতরঙ্গাইকেষ্বযথাবতে। নভিবাদেবমস্যাশ্মশানংনীত্বেমেযামনর্থতি। তস্য
তস্যবন্ধুবন্ধুসংঘারস্য মাস্তাহীত্বংশোকদগ্ধস্যাস্মাকংতাবিক্রিয়াকর্মানি
৩৯ যদিতা। হরোহতদভিষেক যত্নাগতপ্রাণাঙ্গোযত্নযত্নেনবিলোমী
কেশানলগ্নমনোঙ্গস্য ডরযন্তীকন্যমানোমঙ্গমুক্তোহযগত্বীঠগা
নিস্তত্ত্বীথীমবঠীন্তা। সায়ংবিযোগাশোকাস্যাহতাবিক্লবহৃদযাতত্ত্বিযতন্তীপ্রেক

ऽसर्वेषामेवास्माकं किमुयायत्रयश्चामः। ऽमात्यस्यग्रहेसकृत्ये। येनैवविश्वगु
मकसहस्रामहिषिर्वा। करः सार्ववाहः कथयति। ऽवस्थः परिवृत
एवमुक्ताऽरयंऽमात्योय। थाऽनुकाऽपि। कामहात्मावस्मकाम ऽनवे
वलनथा। त्रिहमयमीह। गः कार्येर्नसमवऽत्यादयेह आगेकाग
ऽ ऽऽऽमात्यस्यग्रवेशरणावंयलसारस्य। यदेऽमात्यः प्रवेशयतिनियतम

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

যগহা০। কেবলো বা যাম্যুযবিষ্ণুকেস্কন্দৌ বেয়মানৈক্ষ্ণীহস্থেনৈবস্থবন্নুযীত
নবস্তেণ যথাস্বাঙ্গকোবঃ ইত্যা০। তত্র যথাস্বাঙ্গপীঠবর্ণবর্দ্ধনাবাকো
[illegible] সমাক্ষ সর্ব্বসর্ব্ব করণমঞ্জুযস্কৃতকায় সুবিযাসমনস্ক
[illegible] নোঽস্থানিশ্রযা সথিমারবোহাকযুমিদানীমেযস্তকঠস্তনন
[illegible] কীর্ত্তিঃ কঠস্তুর্ব্বথ্যাত কেবলো বাথামবঠরিলো যথাস্বাঙ্গকো

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible] महाइन काय [illegible]
[illegible] हि। महाइन काय [illegible]
[illegible] इमानं [illegible]
[illegible] मनिष्ठ। [illegible]

ग्राम्य सनाथ यदि मन्यते। भूयश्च सावधः स सर्वहन सावधानः युष्माकं विक्रयस्य
जनकयिद्धो बोधते। नान्यद्रमघ्नकन्याद मिता भवति। सीदुत्र [illegible]
यसा गिरिश्च मकामिश्च [illegible] वति। यदकारणाद्धि यमुयम्मुयं [illegible]
हावङ्कयं। इन्मन्त्रोवा [illegible] कदाचित्तिरुवरुडोल्लयुक्तमयं युष्मद्
इनमन्यथा नयन्ति। ग्रहश्च यद्वेयोगेनामनुष्य विश्वतः सर्वस्वमयेतदीय

[illegible] ঽনেন যদি দিবাকরঃ সাম্ববাহুঃ সর্ব্বেন বিযুজ্যতে। এষ দিবাকরস্য সাম্ববাহুস্য
[illegible] কাবল্লঃ স্থিয়তে। এষ দিবাকরস্য সাম্ববাহুস্য কনকবর্ণীকৃতো নৈব
[illegible] তে। এষ দিবাকরস্য সাম্ববাহুস্য কনকবন্ধনো ঽনুর্দ্ধ যাতে [illegible]
[illegible] স্য সাম্ববাহুস্য কনক [illegible] ডামণিরযজ্জিযতে। এষ দিবাকরস্য সাম্ব
[illegible] স্য কনকুণ্ডলে স্থিয়তে। এতদ্দিবাকরস্য সাম্ববাহুস্য কনকবিভূষণানি যাপ্যতে।

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

२६ [illegible]

[illegible]

[illegible] । [illegible]ख्यातं दिवाकरस्य सार्ववाहस्य यत्रः सवनुवनो नाम [illegible]
[illegible] मृदायुक्तस्तेन क्रीतोद्यानं [illegible]
४० [illegible] कोवयरथावीवा [illegible]
[illegible] हर्म्यस्थानं नीत्वा [illegible]
[illegible] सार्ववाहः [illegible] सहसैव मूर्छितो [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

একদিবাকরসাম্বাবাহসাক্ষদয়স্য ইত্যাদ্যতে। অসৌদিবাকরসাম্বাবাহসাম্বুর্দিনরূপ
যাণাস্য যদ্রিয়ন্তে। হাক ঘুনানক্ষমাবোঽহবামিবযবিগ্রাসন্নে কাধিতো
৫৮ মকেনাত্তিদ্যযবিগ্রাসাক্ষ ১ ক্ষ। এ যমাস্বাহ বাড়গৃহানুগবাত্তদ্রাসমুক্তবাদ
লাগ্রাসতে। এ যবাড়গৃহ নগবনস্মৃতদিবাকরোসুক্ষ্মতি। এতদ্রাড়গৃহঃ
নগবনিশামিনাং যোবাণাংনেত্রামৃতমদলন যবেবস্থাযাতে। এতদ্রাড়গৃহনগব

त्यक्तोरथावीथीरहरंगाइकेवलयावत। नइ यादवमहाश्मशानं नीता
ग्रयामनइति। इकहास महाइनका यमुद्वियोगइ० थस्याहुर्थक
रवेणाद्वेविक्रांतुमार इ०। हाहाकथमयं कुमारएवमुक्तेसुयाद्व
नीय०। ग्रासादिक० सर्वांग ग्रेतंगो। यइ०इ० युसवनुवनुयावनुमुद्धनइ
यामम वागइ०। सर्वइनमनोनयनहर० यद्विनाविनीइ० येगमोदक० कार

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

निवासिनां योषितां प्रीतिनिबन्धनं विलयते। एतदाङ्गृह नगरनिवासिनां योषि
तां वैहृषणमयक्रियते। एवं
वयक्रियते। एवमाङ्गृह
धायनीयते। किमिदानीं
मिमानि। किमिदानीं हृष्यामि मनसोऽवधीरितः। निवासी सूर्यः। प्रत्युत्पन्नमाह

एवमाङ्गृह नगरनिवासिनां योषि
तां वृद्धमति
नगरनिवासिनां योषितां हृदयबन्धनो विनाः
ङ्गृहनिवासिन योषितां निमित्तमवलोक

স্তুয়গন্তি। কথমত্র স্যাদিঃ যদি যদ্যপি। ত্যাগত্বাবাচ্যো নিবদ্ধিতা।
গন্তুরিতি ক্রীড়ায়ামর্থঃ বর্ণকঃ কথয়তি। গন্ধমাত্রো নিবদ্ধ্যয়ম
নিয়ুদ্ধ্যবৈগারযদ্বমিতি। ত্যা নিক্ষিপ্য যুদ্ধ্যস্য মাত্রায়াস্ত নিবদ্ধনে
বাধ্যবর্ণ। সমাক্ষ্যযযদ্বমিতি। তত্র। যুদ্ধ্যেঃ মাত্রেঃ কর্ত্তব্যসম্ভবমাত্রম্
যথাহ্যয়ং ঘানবাগ গন্ধ উদ্ভবন্তো বর্ণ বাচকানাং কথয়তেতি। তেষাং কথ্যত্বম্

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

স্থানাত্মমনমুক্তঘেণ্টাগহনিবেদিক্ত। নৈ৪ কালিক্ত৪ স্ববনুবনু৪ ক্রমাবোরাড়গৃহা
নগরাদিতে। ক্রহ্মাণ্ডীতে মনা ৪ সম্বুক্ত৪। ক্রতস্মৌ নৈ কাব্যবহারিণ্মুক্তো
নিবাসীকৃতাস্মৈরাগত্যেতেঘা মৌরাণ্ডামেক্তমুকরণবিস্মুনেণ্টাবেদিকৈক্তক্তো
তেঘ্যোরানিবাসীকৃতা৪। সমদ্বিগ্ম৪ মরস্মরমুক্ত৪। ক্রবন্যোহনেনকনে
নাক্তনক্তাহগ৪ যিতাবাস্মীকোবর্ম্মনাক্তাক্তীবিতাব্যযরোধিক্ত৪ ক্রযানীমারক্ষণব

सन्मुखीनां यदि मोऽयमि। कथाक्लेशगणानां सत्वानां धर्म्मदेशनाभिर्व्यवस्थ
नेन विष्टकिल करोमि मानि घ्वन। क्लेशानुकारा सत्वानां सत्वानां सद्धर्म्मदे
५१ शनारम्भिनि करुणकेशा नुकारि विवमयमि सर्वत। वर्तन करमसूत्रेन
विनेयक्रमद्भवनयवोव न कलोऽ। उद्भवन। विनेयकोद्धराहसरु
स्त्रानि सद्धर्म्मदेशनयासमन्वाग्नि। उद्भवर्द्धिव। सयद्भुप्रतिज्ञा नादेन कलीथे मृग

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

কিং তোয়ন ভবিষ্যামি। ভবদমস্মাকং বিনির্মুক্তমমন্মাকং বেদনা ভবিষ্যতি। ভত
কিমধুনীদং নো কিং ভগ বান্মহাকারুণিকোদুঃখমুক্তিং মমন্মরামি যো
মমাস্যামবস্থায়ামনাথম্ ত্রাণমঘরায়ণ নিবানোকং কৃতসকং মমাবস্থা
মহাকারুণিকত্বাদাগত্য যবিশ্রাম্যতে। সুতভগবান্মমস্যায়মার্বনন
ঘনাঘ্বয়ঘনৈ ইতভা ভত কিমধুনী মমাস্যামবস্থায়ামমন্মরামি। কোনেকথাগতঃ

৬৭

স্থবধ্যাচ্চকাও সংত্রস্তাও সুবন্ধুবন্ধুকুমারং গ্লনে সমাবোধযামও। অথ তৈও। স্বপুমা
রস্তাও সুবন্ধুবন্ধুও কুমারও সম্মারজোযোদ্বিগ্নতেতানেবাসীদ্গতো বিক্রোধুমা
রহও। হাকথুমাযীনাস্থেনা হং যবিস্তক্রো যন্নামসমস্বাজ্ঞতনযবীগ্রাত্তথ
প্রাপ্তানুনে স্থবিরানস্তোস হালোদূরকএবাগস্তনব্যাপ্তনাম্বেণ্যিশ্রওস
বীও সমাস্বরসন্সুবন্ধুবন্ধুং কুমারং সমাস্বাসযন্নুবাত। নাস্তেবিসেযুষ্মাদ্বিবানা

৬মানগদ্দকৃষ্ণঃস্বাত। সাববারুঃঅঃসাববারো নোকস্য যো নোকেস্য
অধ্যায়কঃ। নৈহকঃসম হাশাস্য সর্বনোকৈকনাথঃ। অঃযদীযোঃ
৫২ ত্রযদীযানাশরণংঅঃ যনায়ণং। নৈহকঃ সইনোনোকেষু দুঃস্থে
ত্রযদীযাদীরঙ্গ। কৃষ্ণাঃ দিবাকরঃ সাববারোঽগবদ্বিযো গাহ্নুলী
ঙ্গকলোকেস্যাস্যাহ্নোসৃষ্টিগোস্তমোনিযযাঃ। কলোঽনযবৈবেকযত্রাগকঃশ্রী

गणवेद्यावणक्कोति। सिंहवत्। समयक्रेशवेनेयसाधनेस्मारणंकरोति। दक्षिण
वत्। सद्धर्म्मयानावतारणं करोति। साधवाहवत्। कृतानवीक्ष्यलोकणक
रोति। महामेघवत्। हितहि तोयक्रेशं करोति। माताधेहवत्। अदानुनम
तानुदमयत्यमकान्मोक्ष यत्नाश्वस्मानाश्वासयत्यचनेर्हतानयचनेर्ह
यति। कथाकृत्वसंकटसंसारात्मात्मानमहाकरुणमोक्षयति। संक्रियाम

[illegible]

বকারুণ্যাদাগত্য বৈত্রালঙ্কৃত্য ঠীহি। নিবাসীকৃতং কর্ম্ম কুমারবৃত্তা। তস্য কৃত্বা
নাসুবিরানন্দো মহামোহিঃ স্তুতি। ওঁ নমস্ত্রয়ম্বামি। সোঽয়ং মহামোহ্যত্ন
সর্ব্বসত্ত্বহিতাবহিতঃ উমন্ত্র না তস্মাদ্ভগবতা সুবর্ণকাশ্যপেন তস্মকর্ত্তব্যা
নমস্ত্রয়বীদ্ধিঃ। তেনাবু নাবলোক্যাবলোক্য সর্ব্বসত্ত্বেহিতং করণীয়ং
মহাহিকপ্যাসৌ মহানরতাবত্ত সমন্ত্র স্বস্তুবিরানন্দো মামস্মাদ্য সমাত্যবৈত্রাঙ্কং তাম

শ্রবণবিনেয়ানামবেক্ষমমাশীর্বিষয়ন্থ কায়মহ্নাবয়ামি তেন হ্যসেমালে চহ্
মাসন্থাস্মাহ্নস্ক হ্যাহ্নয় বিলোহয়েষ্যামি। অথ ভগবতো হুহ্ন স্যসনোরথ
যরেষ্যুরয়ামি। অথ যত্রেন্ত গবক্ষাহ্নানগায়ন্থ্যা গাহ্নথাগতে নার্হ্নাবমাকা
স্থ্যেন সুবিরমহাকাশ্যপে নবগাসনং মযবেন্য স্ত্রহ্নমকতী করেষ্যা
মি। অথ তথাগতস্যাবকমহাশ্রমহ্নাবয়েষ্যামি। অথ তে মনোরথং যরেষ্যুরয়ামি।

বিধানযিয়ুষ্মাকগুণান্মহাকনবনুকানম্বরূপবিশেষানসংকৃষ্যানম্বয়াকথিতং।
সাহোনির্ঘৃণ্যমহোগুণঃ কৃতা। অহোঽবিশেষকৃতমনুণা মোহিনামেব-
মহত্ত্বরূপোদার্যসম্পন্নঃ হাস্যবিনীতহাস্যযুক্তামহর্ষি। সএবগুণবানম্ব
রূপবিশেষঃ কথমবিশ্ব যিবাযমরিহস্তকে। সপ্রবাকার্তএবাযমী
দৃশঃ। সমযমস্মিলোযদসন্যোবিবর্ষন্তে। এবংগুণযুক্তস্যকনস্যৈবংবিধোবিযোগো

ডাথা যয়ম্যাঁদিগিঙ্গবানাবেনেইহিস্মুদঙ্গ স্যাথ্যডাঙ্গে বিক্রোবুমাবস্থ্যাহাব
মীরাহসর্বহুদোঘাবিগু লাসুদন। অনাবঙ্গন অহসুঙ্গনোকনাথ্যগোঙ্গ
কিংহাবেলোথ্যানবাবে ত্রসর্বসত্বেকবান্ধব। সর্বযোগাবেসংমুকনবা
দাযথবেগকাহাকথ স্বঙ্গলোকোযমবেগ্রহহনোহনথালেয়ানাথ
নবহিঙ্গথা সংসারেবেত্রমিথাহি। যনানকর্ম্মসোহীর্ম্মেহযিনেইহিমাগতে। অনা

৫৪

ব৪ ধত্বয়ং লোক৪ কং নাথং সংশ্রয়েদ্যাতি ॥ যেন তেন ধর্ম্মতো বাবিনেয়ন্তনয়ন্তকা৪
ক্ষিতিবিহীনাস্তু সর্ব্বে যৈরি ক্ষান্তি ক্ষমাশ্রয়ং ॥ বহুনা সকলানাং শাক্ষাৎ
ধনে সূদন ৩। বিহ গাংস্তনং জন্মাকামাশাহং গতো স্মনে ॥ যদ্যোবা৪ সমেষা
নিত্বাঞ্চ ধবলো মেকা ৪। কোন্নবস্থিতি সদ্ধর্ম্মমধুনা নেহতে ত্বয়ে ॥ হা
হতোয়মনানোকো নোক৪ সামরকিন্নর ৩। সহস্রজেন নাথেন বিযুক্তো যত্রিয়াম

हामो इद्धकार्यकं लोके। इमेव समनस्मर। समवत्त सतेइस्सवतमस्मालेकं।
यदि मोउयिद्धमिति। तक्क
वसमस्त्रमस्त्रमासकेम
लोकुमाववाहस्स इमया
नर्मे। अवदिवाकरत्त माववाहत्त

५८

वादिवाकरत्त माववाहो गतयमागतप्राणत
वाउ। नत्रेयानी मसानक्षे विहरनीति। तः
स्त्रविनानक्षेमहर्हि वेमानामिहरमाश्रयानीव
सहसेवोपोयस्नानमण्डनेयृविंशाप्रति

বসমন্ত্রমচামীতি বিদ্বাবাস্যাম্বুযবিযুক্তিস্কণ্ঠঃ। সংসারভয়োদ্বিগ্নঃ যবম্ সম্বেগযা
যুক্তীভূতাশয়েন সুবিরানন্দ মায়াইন্দু যুক্তঃ॥ সংসারভয়ভীতস্য নির্বানন্দস্য
মেবভঃ। সুবিরানন্দ বিস্তুপিং ত্বমিদানীং শ্রোতুমর্হসি॥ সর্বোত্তমং নিক্ষিপ্য সর্ব
ভূঃ করুণামেকঃ ত্বয়ৈ নির্দ্দিষ্ট মায়াতঃ কাশ্যপেত্বম্মহামেনি॥ সুবিরোধিজনা
বোসৌ কাশ্যপঃ যবনির্দ্দিষ্টঃ। ত্বয়োবভাবং নিশ্চয্য ভগবোঽস্মি বিস্তৃতয়ে॥ ইদানীনি দ্বিং

অযং বেদস্মরণং সংসারিকং সংযমযনযামি। অযং বৈষ্ণিকলোকং কর্ম্মকাণ্ড
সংযমযামি। অযং ক্রোধ লনযতনা বস্তুবনেত্রেক্ষনাঞ্জনযনাকযাব
[illegible] অযং ক্রোধা ত্রিনাশযামি। অযং বিগতরাগরেনাদ
যামি। অযং কর্ম্মনেবীং প্রবোহসামি। অযং সংসারযকাহরামি
অযং সংসারসমুদ্রং উত্তরযামি। অযং সংসার কান্তারং যর্ত্তনসযনযামি। অ

৭০

ঘ্যায়মেনবৈশাতীতেনাঙ্গনি প্রণম্য স্বতবিয়োগশোকদুঃখাস্যাহতোবাষ্পোর্ম্মি
রুণপূর্যমাণবদনকমনঃ সাগ্র্যয়াকুনেক্ষণস্ত্রীবৃণাশ্যেনমুবিনানন্দ
মাযোঽহংযুদ্ধহৃত্তঃ॥যদ্দেবং যবমাত্যর্যসত্যাশ্যবিদুমঃ। আত্মীয়ানগী
মুবিদ্যাযমামস্যবানা। স্তুতু॥নৈহতোঽগবাবৃদ্ধঃ॥ভিমাখ্যাস্যমহ
দ্বিকাঃ। অবশীযুস্মুমেকোহিতেষাংশাসনবর্ত্তনঃ॥ত্বমাত্মাস্যস্তুতোস্যঙ্গতমুযবা

[illegible]

যাতে সম্বন্ধে লোকবান্ধবে। সর্বসত্ত্বহিতোদ্যুক্তে কাশ্যপে যশস্বিনি ॥ অনাথানাং
বান্ধবো ভীতানামভয়প্রদ ০। বিশ্রামভূমিঃ শ্রান্তানাং শরণং শরণার্থিনাং ॥
শাস্তুকর্তৃত্বয়া কাশ্যপ সংঘঃ লোকস্য কৃতবান্ধব ০। মুগ্ধং স্বং দুর্দ্বিপিষ্যাণো
দুরুত্তম যাগতা যদি মানো দ্বিষ্যসি হতোস্মি
দ্বক্ষশাসনবুদ্ধির ০॥ তুমঃ
যস্মাদ্বেতো নাথং মাবোধি সাংঘং ॥ নবৈতে মৃত্যোর্ভয়ং সমরণং ক্রবং ॥ নৈ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

নে॥ কথন্নামকরিষ্যন্তিয়ালিনোবর্ম্মিনানমাঃ॥ ঋ॥ হোহবৈকনাথমানির্বাণমাম
নথিয়াঃ॥ কহলেকরস স্বীরহোমাগ্রিমানকম্যকং॥ যেগুণাঃসমবা
ঘান্তেকর্ম্মস্তুযোনইবাসো ঠি॥ কথন্নামহিনোকাবেসমত্যাগমহাজয়াং
ক্ষয়ানোকেহহকুর্বন্তুযেস্ক ॥সমাগ্রিহঃ॥ কর্ম্মসোগুণরমোদ্য কনাকো
ঠিসমাহিতা॥ মৃত্যুপাশানমাসাগ্রবর্ম্মনোবিনিয়াঃ॥ কর্ম্মসোযদবর্ত্তন্তো

ऽनेनैव वर्णा प्रकाशितः। येनैव मवेगर्यामयविह्नकोसे मत्रक॥ वेशेषाविकमाव
ज्ञानानन्तमसुखं तोद्भवेद्गु ज्ञावानयियहयत्रनिवाकन्द ० प्रयाह्यसे॥ ऽत
किंचिद्वेगं ० सर्वानगव स्यामदेवग ० । यात्यमानन्वयेस्कन्नेयदेव
गुणिनङ्गनं॥ सेन्द्रा ० सः लोकयातायदेवायेव महद्विका ० । अत्रक
म्यायायायते नरस्कन्नेत्र क॥ सेहद्वगामहामोनोमनय ० । मनुयेऽवूना ।

यत्पृष्ठा। यवनोक्तानु नाकार्यं सर्वमत्र हि हृदया ॥ इदन्तेवंवीरे नाथ हि घृतारावाक्यः
कवि यो नेरा क्रमं स्वतोः म्माकं कथमेवं ज्ञयाप्तने ॥ नश्वेद्यदि मत्वा
५९ नहि स्वेक्ष्ठ वद्वा यात्य मानं हनं श्वार्द्धमेवं कथमघेस्मने ॥ मत्वा
ऽक्ष्ठ करीरं हि हृदयाचय मेस मत्वा। इत्यं यां सन्मुखीकृत्य समवाहुवमेस
ं ॥ इत्यं सर्वप्रकारमात्राणमयनायणं। लोकयक्ष्णवतम्मा मयनीकं सम

(३)

मृतिं वेश्वेजानानोयथासंसारसागरात्॥ यथा ब्रह्मणानेमुक्तं कृष्णमामाश्रयद्वलुः।
अक्रूरात्वेनमन्तव मेनेमे महतीयथा॥ इन्द्रेण त्वल्वुम्बानामत्यो दर्शसर्व
६१ वन्निनां। त्वामागम्ययथा नीतिवच्चनाम्मेनवान्कृष्णकारुण्यमवनं सर्वप्रा
णिप्रवेशतोनन्मानोयेक्ति कुंयुक्तमोक्तमानाजेनाद्वेण॥ यदेवत्वमाहा.
गमसर्वसहितोद्यतः। कृष्णमक्रूरसंस्वाव आयुष्मामवनोकय॥ तदेव मयरेशाण

ঁসমাকৃষ্ণহমস্য গ্রহরিষ্যামি। ইন্দ্রসোগং ইবানিঙ্গং মৃত্যুকৃদ্বসংকৃতং। প্রস্তাব
কৃপামহতাকৃস্যোমহঃ
পর্যবসাদ কল্পকোটি সহস্রস্য মন্ত্রনং তথা
৭১ যঙ্গ। ইইলুহর্লুকংযা
আসা স্বনেনাস্রবমিঠ। অবিকৃতসুবেনানন্দা
দুয়গ্রহসবনুবনুঃকমা
রোগকৃপ্রত্যাগকৃপ্রাণকবাস্বমেঠ সংকৃতং
নুসহাগনবকৃতাগাকৃহস্তিঃ সুবেনানন্দ বাঁইলে কমানসোঃ ইবঠা। ইকৃসেরাঃ

ঽ৯ ঽ৯ ঽ৯

तेऽहं कथं भवस्तु यदि रक्षन्तु मे सुतमिति ॥ तस्य हृदि कथं नाकिमवमहं विद्यामि
यद्वहं दुःखं भगवन्तं सकल भगवदेकवान्धवं महाकारुणिकं समन्तभद्रं
सहि भगवान नाथानां नाथः अत्राणानां त्राणं अशरणानां शरणं अ
पराधणानां पराधणं उपाहितेन भगवता कृत्वा सकृत्तस्य सम्भावप्राप्ता
बहवः सत्त्वाः स्रोतस्तीर्णा महाभयेभ्यः मुक्ता मोचिता महासमुद्रमध्यगता वणि

ঘর ॥ কস্যাবিষ্ক্রয়সাস্য নং কোঽন্যো যে বংক গদ্বিতে নির্দ্দিষ্ট শ্লোকামনি নায়থা
হমপুনাম্রতো ॥ হিহতে ঘন্তকস্যা ন স্ত্রাণানাস্তু বিলোয়ঃ কস্মাত্তেবি
কমাগন্য ঘন্তস্মোত্রান্তু মহি সে ॥ ঘন্তশোকাবেলাগস্তু কুঃ সহেনহ
রাম নাঃ সয়লীকং নিরা নন্দমানন্দানন্দয়া ঘ্যমা ॥ কৃত্বেকমনু
নুবেস্তবরানন্দ কৃষ্ণয়াম্রর্যমাণা ত্বিনুয়ং স্ত্রিরাত্রে স্ত্রিদিবসস্য গাবকস্কুষা:

वीक्ष्य दिव्यानङ्कुषा। तमश्चक्रिय मागम्य मांघरित्रां तुमर्हसि॥ तथा भिन्नतुरेस्तु वैरानन्दोम
हालोमकतरुगंदघमस्मा दनावबद्धयरेकरः कारुण्यात्तामेनतथानानुम
त्रेष्वा वनोकनाहिरुः कुमनानयरमहः श्रीदिव्यनङ्कुषा सुवनुवनुं
कुमारमस्मामवस्मा यौव ईमानमालोक्य कारुण्यासक्तो मुमानडेतु
हृत्वि दिव्यनावशासेनरुवनमण्डनमवशास्य यथा हंकुरयरेवारः। महसेवस्मा

मुरखि के बधाइ का इक्का। उवनु एतेसि स्क वोगगन इतमवगाह गइन्नु। का
रणि का एतेक आइ माग ए वेषु कहिनु। इक्की यमेनं कमार स्नानस मावोय
घठ। मावोराइ नामना ठिकमान्मा नननोंस वेषठीजे। इन लेवधा
गाम का। मुनयार मुइन वबुद्धी विन विनाशस यठीगा। सुवनुवनु नेमा
मुरमुरुप स्नानेमुइ धाय यमनुमार। इन। सुवेरानक्रेनम हलोवइथा वेषु।

হয়্য যৈনা মাগ্য যস্ক যাতো নদলিহও॥ অঘ্যাহং মানুস্তে ঘস্ক্কে শব্যাবিস্তকৈ লেহও।
মহাকারুণিকও শাস্ত্রা বেগ্য বাস্তো নিযাহিহও॥ হানুং সমস্তে স্বিয়ুনুঃ
ইলোলোকনাযকও। অনু কৃতস্যানোকস্য ভস্কুযাগাস্কনুহও। নৃপতি
হয়ীকোমেগ্য মুহরনমনা গমং॥ যাতমান মিহাগমসহ সালোভবিস্য
গিরাহরিহয্যনাথানাগতেহুযর মাহংহং হাস্তহও সাগ্রহমহনবাস্তও সুহহা

लोकं यवनोकेयऽ। कोहीयत्ते कोवर्ष्ठेक४ ऊक्ष्ट्र्याय्यु४ कृ४ सङ्कृ३ ऽ्याय्यु४ कृ४
सयावप्राय्यु४ कृ४ ऊक्ष्टे सङ्कृ३ ऽसयावप्राय्यु४। कोइयायनिमयु४ कोइ
६० यायमवर्ष४ कोइयाः यद्रासुरश्। कनहमयायमाग्रइ ऽ्रन्त्रमो
नकेवयऽ्रा ऽ्रायुयन। कस्य कामयङ्कनेमगस्य हन्त्रावरमयुदयाः
कमा ऽ्वनवैरहिन आर्यवनेनेस्वर्यविवात्ते यऽ्रेष्ट्रा यये मम मद्रा ऽ्रक्ष्ट्रवेनान

৮৫

[illegible] ভবিষ্যতি। অনর্ম্মযাম্যজীবনকানসূত্রসংযাতরৌরবমহারৌরবপ্রভৃতয়
[illegible]দীয়াদিনরকেষ্বয়ং যমুনাংভবিষ্যতি। অনন্তরমিমযা গজগবয়মহিষ
[illegible]গরুমৃগরুরুসম রবিভানউগ্রাসুযোনিষুযযমুনাভবিষ্যতি। অন
[illegible]রথমযাসমতং সুদৃঢ়া দিমহদ্ধ্বংপদৌম্যনসযরীতেষ্বতিদুযান
[illegible]ভাহনগাঢ়েষু সুদৃঢ়মরীষথেটসংহাণকাদ্যাহারেষুগতগণ্ডকাদিষ্বপ্রেষুঃ

৬৮

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] সমনুস্মরণমাত্রেণেতস্মান্মরণং যথা বিমানমুপা
নৈকত্বং [illegible] তমেনোগ্রহণমেলাঙ্কুতী [illegible]
৫২ [illegible] নীতস্মাদ্বীরো যাত্ত [illegible] হস্তযাত্যবস্থানা [illegible]
ন সাম্যবাদনেকগ্রালি [illegible] প্রমমহস্রো যথা [illegible]
[illegible] মানয় সাম্যর সাম্বাদনোসাহ [illegible] বন্ধনাবন্ধ [illegible]

[illegible] मेऽस्मि वेहि ऽ अत्रेयोक्तं महात्मने ॥ सर्वे ० प्रियैर्विनाभावोऽवती
[illegible] ॥ सप्तवस्तु ऽ एवं यत्रेदेवा ऽ मया सकन्नवाऽ। लोकक
[illegible] श्रावकोयेमाव ऽ कस्मा ऽ भगवतोवगिष्यते। कस्मा ऽ भगवानशास
[illegible] यत्रेनेदृऽ ऽ ति। ऽ ऽ स्मुनोयास केनोक्तं सावबारुश्च
यत्रेऽ भगवान सुवेरमहाकस्यप्रशासन मन्त्रयरीश्च यत्रिनेदृऽ ऽ। सुवेरमहा

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

সুখাগম্য মহাসাধ্যাস্তত্ত্বর্ম্মাদিগাধেন কামোভবেদ্যাহীতি। গঙ্গাস্নাহ সদ্যেমহাপুণ্য
নমীতি। তত্র মহস্রেবসুবৈরা নন্ধ্যসদ্যবিবার নমস্কৃত্যপারণাবৃত্তাহরেত
ত্বরিত সবগীর্য যদ্যাসেবঃ নৈকপ্রাণিনত সহস্র যবিবারো মহাপুণ্য
পাপ সংযস্তুতঃ। সুস্থাঁস্থা ননুনেবাধ্যাত কাম্যেরাহ স্বরূপেরুত্তত
প্রাপ্তে স্মৃতিতাপ কেমত্বমেব বৈতস্ত্বং শাস্ত্রমেনং সমার শ্রনে সমাবোযস্তেতি। ইত

ईश्वरकरातजीषणमुख्यसमस्कमाहाबाहुमयनामिहसुहृदनमसीयसुहृत्कृतायं
वकुसमानमरलहयाथवि अतथा समस्त सहगवानमे [illegible] मालः
[illegible] वहुंहमेवहगवनुमर्यकाल [illegible]
[illegible] मिहि। समीय सुमनाहमय [illegible]
[illegible] गवानेहत्रवहुरहजीहि। हलोसाहुमासकोहगवनुम [illegible]

घ

[illegible] योधिसत्त्वैव सुविरानक्षमाप्रासनमनुयरश्चयरनिर्हृतीर्थ या
नी सुविरानक्षोमशाला [illegible] प्रासनप्रवरदानी सुप्रागसुकवकाकप्रा
[illegible] मयन्ती यतुनाद्वीनगत्वा वेनेयसमाप्रसुक
[illegible] कथनमुनानां सत्त्वानां कथनमुनावसोय
[illegible] कथनवबोधिसत्त्वः
[illegible] समयेकगतमनुशीनां मर्ष याठनक्ष बोधि यरेयक्ष कथनप्रन

ভবেষ্যতীতি। কানোঽয়কর্ষ্যতো রাজ্যে মহাবয়ন্তো দিবাকরস্য সাববাহুস্য এত
দ্যুকরণং বিস্তরেণাখ্যা ভবন্তু। তত্র তাবদ্ভগবান্ দিবাকরঃ সাববা
হুস্তীব্রশোকদুঃখাখ্যা হুকো মন্ত্রিকো ভূমৌ যষ্টিতঃ। তকো ভূতযবস্যেঃ
কর্ণত্যাগদুঃখাশোবিষণ্ণ মনানিবানন্দঃ সাযুক্ত যত্রকোমেত্র যাত্যতঃ
তিতস্তিবিক্রোষ্ট্র মারদ্বঃ॥ নোঽনানন্দহ্যত্র। হ্যামেকতবিষণ্ণ। মহাসাগস্য মে

हा हृ निरा कहृ० यथा यो मे । वि मथ्नाति मे हृदयं प्रमनुष्ट वेशो वुना । वि वि योगा
ग्नि सं हृपुं यद्ध कि वहं मे मन
वेदारुणं गहनं वचसनमाः
मह्यं हृ वि वि योगेन नाशो
हो नाक्रोस्य मनुष्ण० । ये विनेयो येहस्मं यत्र न वेशारिहः ॥ अहो नृ यहनाः

ত্রিযথবমিহয়াযস্মথজালোম্নিনিহ্নরঙ্গ্রি॥ ততোদেবগাঙ্গ০ সুবিনানন্দস্যমান
সম্বনোকৃতস্কণাদেব মহাগ্মগানমযগতযাগণগাকরকংলুন
বস্মাযিত্ত্বনবাবযবি ঘিকুংস্বরুত্বযত্ব ঘিতসমস্কুতপ্রত্যমাকতো
৭৯ রণমাত্রক্রযযুদানকতা যমত্রিবুঙ্গ্রস্বনত্রিক্রযমাবেকীনুংঅঙ্গ্রমণী
যদ্দেবানা মেবনন্দনোগানংতত্র তসুবিনানন্দস্যাবেনানারলেবিন্যাসবিত্তযিত্রকুত্ব

क्रुद्धं करवामि यद्यदुक्तं नामात्येन मम इदं कर्म्म कारितमिति। तदुक्तायं राजा स्वान
मेव यद्यदुक्तं मम मात्यं प्रयाति सति। तत्कथमत
१९ प्रति यत्तव्यं अथवा कर्म्म स्वकर्मवत्त्वयि तथा। एवञ्च मया प्रतिप्रहीतो
नुविधया यत्कर्म्मकरणं कर्म्मकृतं॥ यस्मात् यदि यावत्कोनतु पूर्व्वं कर्म्मवि
यात्कृत्वा एवमनागमेव वा मयि रिक्तं तदेव निश्चयमयगमनाद्यानमयात्

श्रा मनुरूर्वरु। अहं श्रीणाश्रवः। कृतकृत्यः कृतकरणीयोऽन्यायुष्मकालोऽन्य
यहं ऊर्ध्वमवेक्षीणभवं योऽहन्तः सम्यगाज्ञास्त्रेन कृतोऽनुत्पादोऽनु
हान्नशावोमहादक्षीणायो २नेनसत्येनसत्यवचनेननाथेवमेस्त्रीन्द्रिय
मनुर्वीतमरुत्वेन्द्रियंप्राप्तई वक्तु। अवेतमहाविषानसमनन्तरमेवर्ह्मा
स्त्रीन्द्रियमनुहिंपुरुषेन्द्रियंप्राप्तहं। पुरुषोवभूवस्त्रिसंयोजनीयः प्राप्ता

ऽमाचाऽगृहान्नगरन्निऽमहाश्मशानमन्यायोमावयेऽथऽसवनुवनुऽमानं
राक्षसमुवेनेर्मकुंपरऽका तयूनुऽऽऽ सुवेनानन्दसमीयेनेघलुंऽऽऽसुवे
रानन्दऽऽपसामचाऽनेऽऽवि ऽऽऽ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

কারয়ঙ্গ দিবংসর্ব্বসৌবর্ণমযাদ্যী॰ মহাসি॰হাসনংযদ্ধ্যুংতেযানযী যজ্ঞানা
মহংকৃতানামবেদিযানা সমানেযজ্ঞপ্রানিকৃত॰ স্তুষ্টাবৈ লোকাগমনঠনাযব
গীর্যসি॰হাসনেনেষ্টুং। জন্যযী যজ্ঞাহংকৃতানাবতীর্যপ্রস্তুতাসনেনৈ
বপ্রানিরোহাবাহ্যেগন্ধ অনেকযাপিশতসহস্রযুবাবৃত্তমনযা
যোযানত্যমঠগর্ব্বস্থহি॰ স্তবন্তবন্তুহ॰ সমাবংক্রমণ্ডনংসুঠ্যাবন॰ মঙ্গলার্থ

(मयेवठ्ठ्क्ष्यायेकंघ्रईइन्मस्व। यस्यायेमीइशोदेवव्याकथमत्रयमुक्तः।
ठ्ठदनमुक्तनामायस्वका नानेवकर्मुलाभ्यां विद्याकेयस्मिन्ज्ञानोत्पद्यते
स्वामिकत्वरुपाठ्ठ्यकास्क विनानक्षमीयमयगम्यसर्वशरीरेण सुविनान
न्दस्यादयोनियठ्ठ्ठ। सुविनानद्वेनवोक्तोवलेयाकाभिमुद्धरीया
विकाविषवेगेनावमुद्धाठ्ठ्ठ्

দ্বিকোটিসহস্রবস্তুনকারানন্দসহস্রাণীবোগগনসহস্রাণ্যাসন্যাদিব্যস্ত্রিসহস্রং মনো
রমং বসুবর্ষমষ্টসহস্রমাবর্ত্তং। অথাদানীং তেনবসুবর্ষেণ যুগসহস্রাণাগী
নমদ্ভুতং সংক্রন্দ্রং। যদাসহস্রি শুদ্ধস্তেষ্মন্মহাপ্রমাণে সূর্যবংশ্যোনয়ঃ
স্তায়ন্তেষ্মা। সহস্রদ্বয়ং দেবমনবদ্যাবর্ত্তনকরং সুবিরানেন্দ্রস্য
গুণমহাত্মা হর্ষাগগনসহস্রগতৈরানকৈর্দেবসাকোটিনযুতগণসহস্রৈর্হৃষ্টা

ज्ञानमण्डलेषु विद्यासयनेश्चैव हर्षादग्निमिव वायुर्वर्धमानवदनकमलः। कथञ्च
निपुणः सुवर्णानमुमङ्गिष्ठोऽ मारब्धः। अहो हि मा महाभागमहमा सम्यक्का
लिकः। यमहा सङ्गं शाखोरा त्वरितानमुयाङ्गनः। अहोरेकमा माहात्म्यमाला
हलस्य समादः। सर्वङ्कुनेव रुवगविष्ठया सम्यक्कालिका। कथायं यमः
कोऽस्माकं महतोऽव्यसनानुवाद। दमाङ्गनयकालां समीगुरुविरुमुया। यदेवायं

ত্রামযৈমানৈবস্মাণি যত্নৈলক্ষানিযস্যবোযাবইও ত্রযোহনংসমাবন্নৈযষ্টৈগৃ
হ্যাবিষ্টৈ। ঋত্বাঠক্ষ্মা দিবানেকানৈত্রা লিঙ্গাঠসহস্মালিসমূযাষ্টি
মানৈ। যাবঠযধ্যনুনগস মধ্যেশৃঙ্গাহকস্যতেষাস্ববনুযীগানাবস্ম
ধ্যাংশ্রষ্টমরাত্রামাঙ্গাযা ● লিংঅস্ত্রণ কৈরণযরামৃষ্ণুমৈবস্ত্রাম্বুনকস্ববনু
রাত্রিমৈনৈতানযমানমাযুষ্মানঠংস্ববনুবনুসমৃপ্তকাঞ্চনাগিরশৃঙ্গমৈবসর

यथाऽमाऽग्नन्त्यायरेऽन्द्रमण्डलयद्वेस्यर्द्धिवस्त्रीनुकवेकमहायुमाणंयर्ह्यायुद्धेः।
ऽमाऽयमास्यायरेकनेकाः यांस्ववनुवनुऽनमारऽयर्यक्षेणनेयनुऽनमऽय
१२ ग्रकनेकायायरेयुर्यक्षेः ननेघनुमद्वीस्त्यागगनऽनगलेवनेक्षेदेवा
निमुऽनऽमहस्त्रेहाहाकाः ग्रोयकुऽ। ग्रहोग्रासनमहात्मोऽमर्द्धुऽकुऽ
हियऽ। ग्रावकोयेकरोत्तेवंऽघागऽविऽविऽ॥ ग्रायानक्षेनायोद्वेमहात्मोऽमय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

कावो मकुं। अहोआश्चर्यमहोऽहमकुं। अहो सुरेशानन्दसागुणमाहात्म्यं। अहो
उदारता। अहोमवैभुवं। दक्षिणीयं क्षेत्रं यत्रहिनामे कवसुपूजानमात्रे
८५ लभ्यनिर्वानमननुरमेव काशिसुन्दरीदारे कामाष्ट सुद्धियमनुहिं।
प्रकाशेद्रियं यात्रस्तुं मेया स्वेहृदी वैस्तुं रेहे। कस्मात्कि देवतांकि यम
नुमनस्का उदिव प्रश्नवर्षं याकेकं। दिवानेश वाथानी यराहुतानि। कस्मात्काशी

হয়াম্বৈবনসমন্বাজতোঽবেঽ। নিমগ্নোঽস্মাঽস্মাতে সযলীকোস্মহথঃ রং। হোমাগ
ম্যাহমন্যাগমসাকাকণিকা মেঽ। যত্র শোকানুবোনীন্তঃ শোকাঽব্যাখনিঃ
সৃঽ। সকুঃ শোকমবৈঃ যা সেঃ নিস্কৃতঃ শোকসাগ বাঽ। নতম্ঃ শোক
যক্ষেঃ যনস্কৃতঃ শোককণ্ঠ কৌঃ। নদম্ঃ শোক সর্যোণ নবৈস্বঃ শোক
শায়কৈঃ। নস্কিন্নঃ শোক নিস্ত্রক্ষৌর্নুয়ঃ শোকশক্রঃ। নগ্নস্কুঃ শোকমকবে

मया प्रियाक्षतनुं गगनतलगतमद्वीक्ष्य समहाङ्गनकायः परमविस्मयावर्द्धि
तिहसमनुष्ठितः परमयहः घोषितहुङ्कारपूर्यमाणवदनकमलाधिष्ठया
मास अहो आश्चर्यमहो दृष्टं तत् किं पुनरनेन महामेनाकृतं तत्रैव
९२ नाथमेवं महर्द्धिको महान् जातोयदि वयं हानीमो वयमपि तत्तथा न
हा येन वयमपि एवं महर्द्धिकाः स्याम इति । समयेन्नाति नाघाः सद्धेहमोतारः

কাশিতং। কবিগা স্বগতেনেব সমাগতেষ্কুং মহত্ত॥ অনুগ্রহেণ নাথেন সর্বা
যত্নমিবায়হং। অহো মম দিতং শ্রীমান সুবিবানন্দ যুগাকরং। স্বয়ম্ভু
গুণমহাশ্চর্যমিতং মম নন্দনং। সুবিবানন্দবন্দ্যেণ জগজ্জনমনঃ
স্বগতালোকবিরহাদন্ধকা হৃদ্ভগং। আযানন্দমুদীযেন সমাগমমকা
শিতং অনুহিতে হৃদ্বলে সর্বাঃ ন্যুগুণাবৈতে জগদ্ভূতানি শ্রীমানায়ানন্দ

[illegible]

বিষ্ণানসমননুরূপেবকাশিসুন্দরীদারিকায়াওগরীরাদ্বিযবিনমসমগ
ঙ্গস্ত্রীসুহগরীসম্বিগ মানোক্তেনমহাঙ্গনকায়েনানোকৈ
বস্ত্রশতসহস্রেকবনে নোর্ত্তনাদোমকৃত অহোমাশ্চর্য্যমহোমা
সমাশয়বিশুদ্ধগ মহর্দ্ধি কোয়ং অমানোমহানস্বভাবোমক্রেযানীস
বাবিস্তামবনাদ্বিযমনেনকাশিসুন্দরীদারিকাসমাপায়েগাদ্বিয়েগাদীবিতঃ

১৭৭২৫৪৫৫৫

নমস্তং লোকবন্ধিনা ॥ ত্বয়ৈবং সর্বতাত্ত্বয়া সীতোয়মহাঙ্গনং ॥ উন্মীলিতানি
নেত্রাণি ত্রীণি তানি মনাগ্নি যাস্যানন্দ্রষ্টনামেদমলোস্যস্বত্বাঙ্গং ॥
যেনৈবং সর্বতাত্রাণং যরমা নক্ষিত্রবয়মিত্ত্বা সথ দিবাকরং সাত্ত্বাবাহং
স্তবিরানন্দমঙ্গুষ্ঠোবোয বসুবনুবনুস্য সমারস্য সমীয়স্য যগস্য
সয়লীকোয়ি সহগাতং কণ্ঠে যরিঘ্নস্য সমস্তমুদ্রং যরিঘ্নস্য তে স্ম ॥ বুহুর্ঘালোহগ

তস্য যথ্যং সঞ্জীবং কৃষ্ণমারব্ধা। তেষামেতদ্ভবদেয়ং এবমহাত্মা মহর্ষি
কো মহানুভাবঃ সীহবো দিব্যজ্ঞানসমন্বাগতস্য এতমেবমবযুক্তামর্ম
হি। তমোসৌ ইনকায়ঃ যর মধ্যে যোক্তুনোতনঃ কৃতকরযোগগ
নহনাশকৃদ্ধ্বিবায়ুষ্মান্ত্ব বন্ধুবন্ধুমেকরবেণ যুগপ্যোবাচ। তয়েতমুং
মহাভাগ দিব্যেন জ্ঞানস্মৃষা। যেনৈবং মহেমাত্মা সমাত্মাত্তহ সী। যেন প্রা

সম্বরং ঘরুবং স্তবিরানন্দগুণমাহাত্ম্যসামর্থ্যকং মনোহরমামনোযপাঠিত
ঞ্চিং সম্যোবিঘাকৃতং মহী শ্চ্যবরমবিস্ম্যাবর্ত্তিকবিস্তমনুষ্ঠং ঘরমশ্রীহ
ঘ্রামোঘহ্রাহ্যকর্ঘবোমাশ্চ কর্কশীকৃতমূর্ত্তিরুপোযহানুমণ্ডলদ্বয়ময়
২শ্চিঘমূলোকৃতকরমুচ্চং স্তবিরানন্দমঙ্গোত্তমারঘং॥ নমস্তুবলুকা
ভিন্নস্তবিস্তদ্বগুণোঽঙ্গ। যেনাঘেরমনাশ্রয়ং দত্তমোক্ষীবিতং লয়া॥ যদিত্তনুভবে

ऽऽऽऽ। अथ स्कंदेवानन्दः शारदमतगंगाक्रमण्डलाद्रेकक्षेत्रे सम्याकुमड
नावस्कंदं यज्ञासुरः। तक तस्ववनलक्ष्मी युक्तं वंदे दीप्यमानमूर्तिः शुद्धे
१३ ऽमा सूर्यप्रभा त्रिलोकी यथा हि ऽऽऽ यदेवारः समन्वयाप्रयोगगनऽत्स्थवक्र
वन्दुवन्दुऽमारमा मन्त्रयामास । वल्लकदाऽऽऽ कर्हिऽऽ नाके ऽ यथ्यन्तेऽथाग
गा। प्राप्तो नरदेवानश्च स्कन्दो नाऽऽऽ। प्रकाशयन्ते यदर्थं सर्वऽऽऽ यदि

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ अहं प्राणावगिष्टं [illegible] मे प्राणप्रदो भवेत् ॥ अहो ते
गुणमाहात्म्यं मनोमलहितं [illegible] । यदेवं सङ्गं [illegible] यो [illegible]
नः । अहो ते दक्षिणा यत्र [illegible] विसङ्गं सहलुङ्गं । यत्रैकवस्तुमागो [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] यमयावेयि महामने । यथा [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] मनो दोषाणां महतां मये । [illegible]

यथा कनीतेक्षणाश्च स्रवन्तु वन्तुकमारं यदि मनीषमवनौ कयन्नवाते गारप्रने
नृविस्मयाः कान्तिकृतिहरयथः मनोरथाते र्लूद्वं हृष्यायथा मितेयनः ॥
वनीनोयगागत्रयर्यनेक्षण शातेनं । स्थविरानन्दमागस्यमनः यथा मितेस्य
थमेते ॥ स्रप्त स्रवन्तु वन्तुः कमारः संसारयोगोद्विग्नतेनामागयिनरा
वन्ह्यथ स्थविरानन्दं यादयो निषयोवाच ॥ स्थविरनतेयाहुस्याख्यातेन

[illegible] ন্যায়ুমেরুলোকে যবত্রত। সোমানাঞ্চ [illegible]

[illegible] মানসং। হৃদয়ন্মহতা বাসস্বরেণ [illegible]

৫২ [illegible] দদন্তিং হিবং। সর্ব্বপূর্ব্বে [illegible]

[illegible] ন্যায়ুমেরুলোকে যবত্রত। সোমানাঞ্চ [illegible]

[illegible] যদি বোনপিয়ং [illegible] সম্মযং। [illegible]

নাথনাগ্রহণ্যথহণ্যসম্মযোর্দ্দুঃখসমঠিক্রমং। আর্য্যাস্থাক্ষিকমানন্দেশং
নির্ব্বাণগামিনং। শ্রুত্বা দ্বেগ্যমানেসর্ব্বদুঃখবিনোদনেস্থানেশনেসা
ইত্যাদ্যস্থানেনাগস্তুষ্টন ঈবমিত্যথাসবতনস্য সমনন্তরসেব সবন্তবন্তে
নগমারেণবিহুঃইতিথ রসসমুদ্রং সলোযদুষ্টেলেনস্থানবক্তেঃ ইত্যাঃ
স্মোহস্যাযুক্তন সাস্কৃতজ্ঞং। অথসুবন্তুবন্তুসমাসোবলিনিবনস্থনাসঃসম্ভ

[illegible]

র্ম্মবিনয়েযব্রহ্ম স্বয়সম্মাদংস্কৃতাবঞ্চেযমহংস্বাখ্যাতৈবর্ম্মবিনয়েব্রহ্মত
র্মিতি॥সম্ভবিবানদ্বেনযুক্তা ছিতস্তুপাতসমন্বগিত্বোযথানেনতস্মান্নেব
যদ্ধর্ত্তে সর্ব্বকুণ্ডযুহাণাদ হিত্বেসাস্বাত্ত্বাদ্ধতং সোঽহিত্বেপ্রায়ুথাযুষ্টিঃ
কাঙ্ক্ষন্তযবর্ম্মবামবলোকি ত্তমারম্ভোযাবযেস্ত্যামোনমহীবযুণ্ম
হেশাস্থাতসৌতজতবত। স্কুণোহং সতেন্ম আবেঙ্কাত্রমতবেষ্যদিত্যহমেবযুণ্ম

[illegible]

किमयं स्वप्नो मोहो वैभ्रमो वा अथवा केन विदेन मायाकर्म विदर्शितं कथं वा
यावत्तस्माद्दिव्यं तद्धि [illegible] सुवर्णमेमाण्याङ्गाङ्गाकारं सर्वधा यत्र [illegible]
[illegible] स्थवानन्दः [illegible] मगमेष्ठाङ्गुलाकाशियकरीकपिलाक्षी
[illegible] नायकं प्रसादं प्रवेदयेत्तमावा [illegible]
[illegible] मनुस्मृत्यं [illegible] मार्गं [illegible] मन [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]

समान्नमवकर्षकः सुरर्षवरैः इन्द्रसंग्रामयन्त्र वर्तिराज्ञे घटितमुदिवयरसघ्रीहिग्रामो
पञ्चाङ्गथातत्र सुरवरहतकर
१५ नन्दनसस्तुस्तुवेलोत्तमथान
रुग्णास्तुनामुलोकारुण्यस
लोकनाथर्कहिस्तानेगद्धस्तुवेसुलोकवि

मस्तुवानद्वयुक्तिष्यात्तुमावद्वथानमाप्तुस्तुवा
मस्तुहिनमत्राणांकेतुवृत्तमहाग्रले॥ आलोक
तुमे। महतः सुरुंशादस्याद्येनाहं यरिलोकितः॥
ज्यात्रोयदनाथोहं हमामाप्तेनमोऽस्तुते॥

ममानंदिष्यायमामिनेवयं॥ कौरामे ध्यायिकं केननिर्वृणेनहरामे ना॥ वा
यामियवीलक्रोयेनहंवन्दं
रुयमनमुक्तंक्षेदंवदकमा
णं सदा बहुसारसमकम
नमारहेकं कं। व्याहुं हृदयं तस्मात् मत्रकनवन्दं तथा प्रदीपुवहुमारहं प्राक्षे

सोनृणां॥ तरेकं वेनयोयेंस्मोत्रानहं करयतः।
नवन्दुरं॥ गुणेप्रकम्य युद्धेत्र कोदोषो नग
हृदयं कोवेणेषवेत॥ वृक्षाश्रमयेतस्मावे

१८

विषापविक्रनेस्कणावस्कान्नामिनयरांयुवेदयनुमीशावमन्नगोऽहुमानवा॥
अहोश्रीहंनामाऽहंघन्न हरं मर्द्दद्रक्ष्मीमयदृहं। यदागमाहुमि
८२ मामवस्कुमनयायुहसवे गुमानमाहरेहमधोयेकक्वमुमाशय
स्कुवेरानुहसमीयमयग मऽहदेकंवस्कुंस्कुवेरानन्द्यानिर्यांसंया
मयोनेयहमीद्रणाग्रमामवगेनस्कुवेरानन्दगुणावस्मरणपूर्वकंसत्यादिया

याहमार्यस्वाख्याते धर्मविनये ब्रह्मचर्यमवसम्यग्दर्शनाय च येयमहं सुविरसा
नृकेषु कुर्यमिति। मम सुविरा नन्वनयुष्माकं कथं कथितं समनुशिष्यो यथायाव
कं सर्वक्लेशप्रहाणाय हितं साक्षात्कृतं। अथास्मिन्नन्तरे दिवाकरः सावो
वाहः सयलो कोयिमत्रविः आगम्योक्तवान्याहि तोराङ्गृहस्थनगरस्य
मध्ये शृङ्गाटकस्य यदि वा मम घोषो घोषामानं याचयति। घनः घनः यदि वा मानार्थनय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] वाद्येयवाक्य [illegible] ॥
९५ [illegible] ॥ [illegible] यन्मर्त्यो [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

युष्मन्मम स्त्रके 'कण्ठे वानेयेन्द्रा सुं भक्तिं वस्त्रमीवा हृतां॥ मुसाकथिकुमारद्वं
केनमेस्त्रमसोहगनेत्वः वामेनास्त्रवल्लाहसुव सर्वज्ञनथिय। हाकेन
हारुपयागकर्म्मेदं हवक' रिक'। कोमेवेनात्रवद्वं स्याहकस्याहे नथि
मोहवेक॥ स्त्रकनातेङ्गिहं कोसोप्राणाः कस्यानवल्लुहं। येनतेवमा
हुयुगाघमाह्वाहमहमीठ॥ अपसवन्तुवन्तुः कमारथिनुथिन' यहुहं। सतेदमाना

নকর্ম্মারম্ভ০॥ যেনসাযেনসমবতনেনত্বং বৈদেহসনে। সর্ব্বেষাং দুঃখপি
ষাণাম্ম যাযোগযোগো বিশেষু০ প্রবরডহুরান্ত্রহর০ শ্রাবকনাথঃ
শ্রাবকসংহ০। শ্রাবকস্ব বজ্র০। শ্রাবকজানেয০। শ্রাবকস্বস্ত০। শ্রা
বকজয়দ০। শ্রাবকস্বণ্ড বীকং। শ্রাবক শ্রাবধি০। শ্রাবকসাবকাহ০।
শ্রাবকবন্ধু০। শ্রাবকজাসুর০। শ্রাবকবলং। শ্রাবকবৃতামধি০। শ্রাসনকনুধার০।

ईदृशानां तेषामधीमहार्हाणामस्माकं नाभिमतेन बोधितं दिवाकरणाद्वि
ज्ञिमवहास्यनयमवन्तु शाखिथकरकायमानमहीमसमर्थितं
कार्यं यदमवेश्यावर्द्धितं विस्मयमुद्धरवाद। अहोआश्चर्यमेतत्
महाप्रधानो माहात्म्यमहो सद्भगनेप्रधाने। अनेन महात्मना यदि
नामेदमवर्द्धन्य वहारयलोपितेषामठे महार्हाणां यर्यन्तमधेनाद्रिगमाक

ह्यमेषां ॥ ॥ ॥

বিবর্ত্তনং করোতি। তস্যাং মালিন্যামাত্মানং গতং মতি। হায়ত্রহায়ত্রেতি সর্ব্বস্বং বিলো
তিম। অস্মৌ সীদ্বিরাকরং। সাববাহং সুবৈরানন্দেন গগনতলাগমস্য
বনুবনুং জমারং মরিত্রাতো মহাস্মশানেস্মাস্য যাস্তানে বর্ত্তনুর্দ্দিগঃ
লোরম্বনং সংশীকোযস্তুতা সমেকবীক্রং বয়মানদ্বিতমনাস্থক্রবর্ত্তিরা।
স্মাঙ্গেবেকাঙ্গে বীক্রং বয়মমগ্রীতপ্রাসোস্বঙ্গাতং সহস্রেবোপোয়মবিতগতিপ্রগর

বৰ্ষ। মন্ত্ৰাক্ষৰ বিৰাজন্তে মুণ্যানামেবকৰ্ত্তনং॥ ধনেনতন্ত্ৰবৰ্ত্তিত্বং যদবাম
মহীতলাও। দেবেন্দ্ৰবিৰা জন্তে মুণ্যানামেবকৰ্ত্তনং॥ অশেষমন্ত্ৰাক্ষ
৭৯ লোমযুৰনোদিসম্মদং। কৃক্ষে যতন্তন্ত্ৰবন্তীত মুণ্যানামেবকৰ্ত্তনাদ্বিদ
গাহ্ন সমাংনস্মী' প্ৰাপ্তেবঠ যবিস্তৃঞ্জে। এবমত্তিগ্ৰাদযোজ্যোহ মুণ্যানা
মেবকৰ্ত্তনং॥ তমোবোলোক যানাযাং বিস্তৃতি বনদাদয়ও। তঞ্জতে মুবিতাক্ষে মুণ্যা

যরাম্বত্যৈরধীয়ন্তে স্কন্দানানৈদত্তো মণ্ডানি কল্পোপণিবানানি কতানি। অথাযুষ্মাস্থবন্
বন্ধুর্মহাজনকায়স্যৈব অনেকপ্রকারং ঘণ্টাশঙ্খতূরবোদ্যোদ্ঘোষেণ বিশ্বস্ত
৫৯ মাহাত্ম্যং প্রকাশ্যতথা যথৈবহ্যসা শ্মশানমাগত্য স্থবির
দুঃখং মঙ্গলং মনয় বিয়াঙ্কথাবদিত্বৈকান্তেনৈয়ন্তু। বাস্তবা
শক্রস্যাঙ্গং। যথাকৃতপ্রতিজ্ঞেনা মাত্মেনেষ্যা যুক্তেনোগানেকাশিস্বন্ধ্যাদিক

১০২

মনি কৈ খিয়াবহুহ নিস্তাব স্ত্রবণাসংযুগ্রাগুরাধ্বসি গাদিবাকরেণ হস্তাব
বাহুনস্ত্রযমীকেনসহ্য বিহস্তানি অনেকৈশ্বযেবুগাণ হস্তসহস্রেষু
হস্তাভিদেবগাঃ ওঁ যুমস্ত মনস্তুঃ ওঁ দিব্যং বস্তুবর্ষং যাঃ ইঃ যবানিব
বাঘানি যবাহগামী দি কৈঃ যোত্যন্ত যত্ন কস্ত দ্যুশুরীকমান্দারকা
স্তৈঃ ত্রমাত্রেণোত্তেনমধ্যহাস্ত্রমানং বিউত্রে ওঁ মুখ্যেন বকীন্তুং অপসরাস

শাবস্থ ভবিষ্যতি। তথা কন্যুস্য সাত্ত্ববাহস্য সর্বধান তস্য যুক্তং নামানি গ্রহীত
সাধ্যেত্তেঽসাধ্যেষ্বাদিকা ত্রিহিগানস্থয়স্থ্যাস্মিন্নিবেশনান্যয়ং মন্ত্রমিত্যা
নাই সাত্তেমি ত্রিস্মিগা। উন্ যামাসঽঙ্গ দানী সাত্ত্ববাহ্য যলী সর্বেণ সর্বনি
বাক্তদ্রাগা। কথমন্যুই যস্তব্য। অথবা গৃহীতো যস্মাদ্যা ভারঽ সুভরায়ে
গবুনা সাত্ত্ববাহ্য যলী যবি যান যিভবেই। তত্ত যবগ্রহণ লিগ্রহো স্থিতিক যাক্তস্য

ব্রহ্মা। অথ যদানীং কর্ম্মাবিনকথিকোরয়তি। সর্ব্বথা ঽস্মাকমযাম্ঽতি। তেমলূকমা
যাযস্মিন্নাকমস্মাকমাবহ্মা। অ দাঽবিকুথঽ কমাবঽ যযহিকং সমবোঽাঽ
১১৫ ইদানীং মাত্রাঽহিকং প্রত্রব মিদানীং স্বয়মেবঽস্মানঽহোঽকংস্কৃতি। ইদা
নীং মলূকোদকথা সকং ম লূকমাদায়বীথীমবতীনুথা। তথাঽকংস্মু বে
বকঙ্কবিমতনুবিকুযমঘ্নাদগঽববলস্কলেবিকুষিঽগাত্রমবনোক্তনোকোঽতনুবিম্ব

নামেবঠঠকনং॥ননুনাদিবনোস্থানেবিস্তঃ স্তুতেস্বরাণাং যস্মাদ্বিদেবকনাস্তিঃ
মুণ্যানামেবঠঠকনং॥ইতি ত্রাদেবনাস্থাদিসম্মহদ্রিদ্রগাবিষ্ণঃ॥যস্ম
যাস্যদিলোস্তস্তে মুণ্যানামে বঠঠকনং॥যথাতিনমৈতাদিবাংলোগাযম
বিস্তঞ্চে। ইমানবাসীনোদে বাঃ মুণ্যানামেবঠঠকনং॥যতকোঃ দ্রেণ
ত্রিণা স্থানেবাযুর্বন্তুবনাদিস্তঃ॥দেবেস্যোযাবিকাদেবাঃ মুণ্যানামেবঠঠকনং॥

[illegible]

इत्यादिशक्तिमदमङ्गं देवमनुष्यादिनिकरं प्राप्तेहार्यं इत्यायुरमयमायावृद्धि
इति इत्यनुमानदानमर्दा नमामि अहो आश्चर्यमहो इत्यद्भुत
अहो आश्चर्यं नन्दनस्य गुणमहात्म्यं प्रकाशितं अहो नवागता
शासनमहात्म्यप्रकाशितं. अहो अस्मिन्नेव भगवतो ज्ञानगाम्भीर्यं
वागमेनाहिनामस्कारेन सूत्रे महाकाश्यपेन वाग्शासनवैचित्र्यं

কর্ম্মারম্ভা। তত্র তত্র যন্মুখ্যনতে। তেন সাম্ববাহুযলীসালোনক্ষ যারকথ্য। যাস্যথী
ত্ত্বমারম্ভা। তস্য যদ্যারকর্ম্ম যরমবিরু যত্তাদ্বিরু যত্তি নাম যবস্মুখ্যং
তৈরাসোপ্রেষ্যমবিকাযত্তিদ বসময়ী যমানস্ত্রন্যযত্তিলতে। তত্তস্তুহয়ঃ
যাণিনোহত্তি কৃষ্ণো যায় যৈত্তমারম্ভাও। সাম্ববাহুযুলীসনক্ষ যত্ত। স
হি সর্ব্বেদামীদ্যম কর্ম্মকরযোস্ত্বেযেও বক্তলস্ত্বিবাবৈশ্য যবৈস্ত্বক্ষ্যযত্ত কি

থোজাতোঽবোম্যথওয়ক্রামঠি। সয়েঘাগৃহদ্বারং গচ্ছতি তত্সমতদ্দিবসংকা
স্যাদ্দবসাম্রায়সহসেবনা শায়ঠদ্বয়ং যেবাযকাষু যাষাণশর্করাদিভিস্মা
ডযিত্বানি স্কাশযন্তুশীঘ্রম স্যাদ্দক্তেঠি। সঙ্গমর্জবনগরাবস্মারঙ্গবানো
যত্রযত্রগচ্ছতিতত্রতত্রকাষ্ঠা যাষাণশর্করাদিভিস্মাডযত্রোনে স্কাশতে।
সোকস্তিস্কাসযনত্বাকাষুযাষাণশর্করাদিভিস্মাতত্সেনমল্লকেনতথোনক্রম

কামধাতৃত্তমাক্ষিত্রাসদ্বিঞ্চাসোগসমুদ্রঃ। কামবাহৌস্ববোস্তক্ষ্যং স্বপ্নানামেব
ত্তমফলং॥ যথাঙ্গিনবীজানু মানদেবেষুমন্ত্রেষুচ। তস্মেযদযত্নেনঃ
৯৬ স্বপ্নানামবৃত্তফলং॥ যং দুষ্টদোদেবাব্যাধিনোব্যানদৃষ্টেষু॥
প্রাপ্নুবন্ত্যুত্তমসৌখ্যং স্বপ্না নামেবত্তফলং॥ ব্যাধিনোব্যানদুঃখস্য
স্বাস্থ্যযস্যঞ্চযত। প্রাপ্নুবন্ত্যুত্তমসৌখ্যং স্বপ্নানামেবত্তফলং॥ সমুদ্রস্যাবকাশে

নিত্যসুখবিহারিবন্ধুমতীয়কেদাবেহেন স্থলসময়েন বন্ধুমহাবাহুবানাকনোনা
মমানবাহুপ্রয়ুক্তবাসেন্যা ছোমেহাবনোমহাভাগোবিস্মীনুবিশাতঘর
১৭ গ্রহোবিস্মবণবনসমদি তোবেগবণপ্রয়ুক্তস্মর্দ্ধবন্ধুমমাংবাহুবানাং
অগন্ধনিকম্বেনমহুগাঠঃ কতাহকনহমানীতং। সহযাসার্দ্ধংক্রীড়ির
নকেগ্রহিতারয়ই। হস্যক্রীড়তোহমমালস্য যবিতারয়ত। যদী স্যাবন্ধুমাতেসম্বুত্তা

কিন্নমস্তীবং সর্বং তদ্দেনাগ্রেষ্যদারিকামাগমএষাহিমেমাতৃকন্যাস্মে
হেনতত্তকিযন্তুকাতমেকা কৈনীকর্ম্মকর্ত্তীলামাথেযংগমিষ্যতি। যাবত্ত
মূলতত্তহে। তাবতানর্থঃ কাঁতেযাযযিত্তু। তদহমযিস্বকর্ম্মযবাতবম
নুষ্ঠাতবামি। অহমযিস্তে কযাকর্ম্মকবোমীতি। বিতন্নতযাগ্রেষ্যদানি
কযামহযবগৃহাণিগচ্ছোস্তিকযাকর্ম্মকর্ত্তুমারব্ধামাযবমসুক্ষমারাস্কুদ্ধথা

মানোমাত্তরবৃকমাগমস্থগ্রহমন্ত্র নমোস্তুতাবিক্রাম্যুমারত্ত। ততঃসাংহত্যা
দ্বিগ্রাহবমিগ্রহারমন্ত্রোকর্ষ যতি হাকষ্ট কম্যতেযত্রস্থযত্রাহবুকিস্তবের্ন
ক্রমামযাস্যমেনৈবযুদ্ধং হয়ইত্যস্থিতে। ততোবিস্ময়ং কুমারং সক্রমং
১১৬ যুদ্ধবাহ। যেষাযেষাং যাবমহং গন্ধামি যাস্তিকুণ্ড কেকেকং কুমারং কণ্ঠমাস্য
লেঠকাষ্ঠাগ্রেস্থাতযন্তিসামিহি। তস্তুতোমাববাহযলীবিস্ময়ং কুমারং কণ্ঠমাস্য

[illegible]

ऽऽवऽऽगुणान्वेऽगा। महर्द्धिकामहामानंघ्यणानामेवऽऽकनं॥ आ
युवर्द्धसहामानोसेयेक ॥ ॥ ॥

যাবকেনুমাববাহওযঞ্চবলিক গতযরিবাবোসহাসমুদ্রমবতীনুও।সহগার্দ্ধো:
যথাহইমুগস্তুইতথাক নুমা মাববাহমা মযাবাগতংক্ষেত্রগইদেশীনু
যথহথাবহতিহইকিঞ্চি ঘাগ্নিনাদংকিঞ্চিস্তোবেবযদ্ধংকিঞ্চিহযো
যমেমাগুহীবোনিঙযতা নাও।যাবমোববাহযলীযরিযুন্নুকাতেয়
মাজাযাকোহাহঙ্গযুদ্ধবিসাযাহযুদগাইবলঙ্কলেঘৃঘিহগাত্রমুমা কাযান্মথা

যিয়ে যীউ হাঁ ও কর্ম্মকর্ত্তা লোমকর্ম্মকর্ম্মোহ্যযগীক্ষ্ট। কক্ষ্ম যে যিন্না দীর্ঘমন্ত্র
ক্ষনি ও ব্রসা কনু সাব্বাহ্ মন্ত্রস্মহ্যে বো দিক্ষ্ট্র প্রহ্ন্তা। হা কম্মুমীহ্লো মেবি
যয্যয্য ও সম্বয্যস্তু লো যিন্নাম মকতন গ বোহ্ন্দ্রাগ্রা সম্ব দমন্ত্র কুয়েদ্দানী
মেদ্দেবহ্ন্নানি মকতন গরেড কুমা কুত্তা যব গৃহে ব্রহ্ন্ত কয়া কর্ম্মকর্ত্তা লোম
হুহু ও যদ্দো স্মান সাপ্রতন্ত্রক বামিক্ষ। হাঞ্চ কপাহ্ন ও যে যীউ হাঁ হন্নী মানো কুসাপ্রে

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

বহ্নী বময় স্থানং করোমীতি। সুবিশানন্দে মোক্ষমবমন্তে। সকলেন ইনকাথ
নেনৈর্দ্যনাইঃ। ঘ্রগাঠ দুঃখ্যবেদনাস্যাহলো মৃত্যিকস্মৃতে। অবেশান
দ্বিন গযুষ্মাস্মবন্তু ডিহ্নঃ সমাধিস্থানেন প্রসন্ন সাম্যাল্লসং
শ্রীরাদুঃখ্যবেদনায় সুমুখ্যঃ। অথাযুষ্মান স্থবন্তু বন্তু সাবেশ
হিগাশায় প্রবৃত্তেন সমাধিস্থানং কৃত্বা সারদ্বাঃ যেন সত্যেন সমবত

১০৫

ইত্যাহ সোঽহমনুস্মরসোগন্নং প্রবাহমারভ্যোযথা ত্বাহুদ্রুহ্যাং সরিহনাং সর্বে
সর্থাস্ত যগজ্ঞং কস্য যার কস্মাদ্ভানুমাত্রমপি কর্মি নুহেঽগ্নিপ্রায়ুস্তো যেন
হুহং নিরবশেষঞ্চ স্বায় তেন সদ্ধং মাববাহু যলী কথঞ্চি দ্বারকমাযা
যস্মাদ্ভুহানি কর্ম যদা সোঽগ্নিমুদ্রুহ নিরবশেষঞ্চ স্বায়লে যঞ্চদ
থা স্বয়মেব নির্বাণঞ্চ কদা মাব বাহু যলী কর্ত্রা হ্যগ্নে খণ্ডাববরকে প্রবিশ্য

ঘদাহকাবোধিকুঞ্জদন্তা। হাকষ্মিহেবক্ষনিমাববাহযনীকাপিস্মৃদিবিচিত্রাম্বর
পারণীবিভবস্মরসৈগন্ধকস্ম মমানাবিভূষিতগাত্রী। নৈকস্মগন্ধদ্রব্যযোজিতস্মথ
১১২ বামকাবামেতকযোতাস্মথ রমর্ঙ্গবনন্দনবনোদ্যানগতা। অন্যযানবস্ত্রাতকণবা
দিসৈর্দামীযামকর্ম্মকরযো ঋষিযস্মজনৈমস্মবিবাববাদীনযথাহুঁমস্মিত
স্কেদানী। মহেবক্ষনিতদ্ভূতশিবস্মামতযত্নদগ্ধগাত্রীস্কুদ্ধ্যাদিদ্বঃখেনযদি

ন্নমর্বত্রন্ত্রম্য বর্ষ্টিত্রম্য স্বহৃদ্নেঃ মিত্রন্নাপোগুরুস্যৈবত্রম্নস্তেকেন মল্লকঃ॥
হ্যম্রত্রকেনবাবীর্যংত্বয়ি যয়েতমাত্রবে। জীনেত্র হাহতো মিত্রকরুতঃ যু
১১৭ বৈকর্ম্মাস্বেন॥ হ্যম্রত্রমৃত্বয় রথকঃ কর্ম্ম জয়ানাবগাহতে। হৃদয়ং যাঘাণো
ঘতকৃতিনহৃদ কর্ম্ম কর্ম্ম যমেঘ॥ হা কথং হা যবাহন্ত্র জীনমথ শ্রমির্হ
ঃ। ঈক্ষা মহন্ত্রঃ স্থঃ থাহুঃ লোকস্যোলোহতেমনঃ॥ স্কুলি যা সা যবীক্ষান্ত সর্ব

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ज्ञर्द्धं पृथिवीं प्रमार्य दारकं शायेत्वा दीर्घमुष्णं निश्वस्य कनुं साम्बवाहनस्य
एनोदिनं प्रहृष्टा। हा कष्टं मीदृशो ऽयं विधिर्यः सम्प्रयुक्तं हि। कनुसा
ब्बवाहस्य ये दासीदास कर्म्मकरा ये च ये चास्य गोविंदे हस्त्यश्वा मो
वयमपि विनष्टा मर्द्दिता जीवा० कनुसाम्बवाहस्य यत्नीमयकायनि०
यनाना०। इत्येकाग्रेण दारिकां संलक्ष्य। मया कनुसाम्बवाहस्य गृहे

শুষ্কমর্দ্ধগাত্রাবয়বামহিনমাহকাত্মনুমনীনেনথঞ্জোহকেনমৃগাপাহনিক্রে
হৃতেনপ্রস্থাদিকটপ্রদে গামকতনগবাদমাত্মাঘরগৃহেষুহৃতিকর্যাকি
র্মকবাণামহহুপথ্যজো মনস্যপ্রমনস্কবলহোগাবৈযর্যযথাসহোগঞ্চ
নাসোগমন্যদথাসুহোক মীলাবৈইগ্রমিমাহুহ॥ যস্যাঙ্গকাদীনপ্রাহৃ
মমর্বানঙ্কারহৃষিগা। গপ্পবাহবযাপ্পবামিদং বথাসুখঙ্গং॥ হদেবংমান্ত্র

সম্বন্ধিবর্দ্ধিতাসোগেদ্বওআছিতপুত্রহাহংকোহন্নুসম্বত ॥ক্ষয়ণদীনবদনংরুদন্তু
শুতয়ীছিত। সংপুষ্কক পৃহস্থাগ্রক্ষয়াকেনক্ষতানতে॥ হাইকোসি:
কবিপুত্রহাছিগবেমসাক তেও। রুজাছিসুতেকেনাগ্রক্ষয়াগেকাছিস:
স্থিতে॥ হাহসাগতস্কুণা সুনছিস্কুয়া সমগ্রাছিত। স্মোকমন্নাত
দগ্রগ্রস্থছিওকাকেগ্রেতস্কেত ॥ হাসুত্রমক্ষতাগ্রাহমপুনাকিংকরোমিতে।

বাহ্যলসে যাহং সুবৈরানন্দস্বাখ্যাতে বর্ম্মবৈনয়ে যত্র ব্রহ্মা যযসমাদঙ্কিত
গাবহং নয়মহং সুবৈরা নন্দস্যাস্তুকেষুষ্কর্যমিষ্ঠ। সুবৈরানন্দেনযত্রা
১০২ ভিহস্তুথাসমবাপিত্রো যথাতেনহস্মান্নেবমুদ্গার্কেসর্ব্বেগাযথা
নাদর্হত্বিত্বাগ্রাম্যাংসোহ হত্বপ্রাযোগগনহতেনস্ত্রসমাবডলেষ্যা
হিতায়মহাঙ্গনমনাশ্রিযত্রাদযনগগনহতাদবগীর্যসুবৈরানন্দযত্রস্থ্যঙ্কু

कथ्यकारा समयदनमृगा नमसयहि रुयस्यायदहमसावस्मायांसावबाहुयली
मनायानेकाकिनीस्कुर घिलानेः यतायेयसिहि । जेविकासावबाहु
यत्याः यात्रेरवहिगाः ॥ ॥ सांश्यसावबाहुयत्याः सर्वमुहस्यायतेयम
ग्निनादश्वमेकदेवसेक मयिलोकुरुन्नाहि । ऽऽः सालेयादाहिकाक
नुमासावबाहुसायेसहिहसमनिनाबबाम्हेघा मकाशंहाकथयहिऽवनुः

ঁস্যাগমৈবসাগবিযর্য্যযাত। নিবস্যমনদ্যাত্মী মইঁ খণ্ডবোহক॥ দেবকন্যে
বয়াযুর্দ্ধং যস্মানেত্রামৃতঃ
যাযুর্ব্বনমস্মল্লানগরঃ
তনুহীনতা॥ যবিন্দুকুবতী

১১৫

কৃত। প্রেতীবসাযুর্দ্ধং কৃষ্ণাগমেবোদ্বিজ্ঞেমনঃ
স্মোত্তমাকৃবত। জয়ন্তী নাম যোগমানে বাস্যা
জন্মাযামহাসম্মদ যুবা॥ মামস্থদসাস্যা

ঘৃমৈবসোহহিদ্বঃখিনী॥ অহোসংসারদৌরাল্যমহোসম্যমনেহকা। যদ্দেবস্থি

[illegible] एवं साऽनेकप्रकारमामनमवसो
[illegible] स्थानं [illegible] वैरं मं [illegible] विरचावलि [illegible]
[illegible] रसकेरामवो स्थाणुकण्ठ कावृगायो [illegible]
[illegible] लिनामयीयेन मारब्धा यावमो वावीय [illegible]
[illegible] स्थानं घोसे दानब्राह्मण गृहयज्ञीनकालि

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

কন্যুম্ম মাব্বাহম্ম যত্যাঙ্গহ্ম্ম বস্মাবর্ত্তে। যোগোদ্বহনং করুতে। যত্থবতে
হম্মা যোগোদ্বহনং কর্ত্তুমা রম্বাস্তুত্থবেতে যামযিকানেম্বনবপ্পগানিপাহ
হ্মানং। তেহ্যনস্কিতময়ঃ কন্যুম্ম মাব্বাহম্ম যত্রোহমন্ত্রনমঙ্গনোহম্মা
ঘণ্যমামত্যাঙ্গকন্যুম্ম মাব বাহম্ম মবোগেহবিত্তবাদ্বিবস্মুবো বিনাগাঙ্গত
সুগ্রদিবযমম্মা যোগোদ্বহনং করিষ্যামোহম্মাকমযিগৃহেম্বন বিবাদেবেযমীহ

ना सूत्रधरः थसाङ्गनानाङ्गं तेन। ततः सार्थवाहयलीतया प्रेष्यदारिकाया सहा
नयान्नपश्चायरगृहेस्थितः कया कर्मकरैमारब्धा। वेरयमाउकनारसा
घुणाविषयेन यावदिव समयशीयमानं नृत्यं तत्रते॥ यावद्यवेण
समयेनासूर्यानुदिवसं कर्मकारयित्वा न किञ्चिल्लभते। यावत्कर्मायि
नकञ्चिन्कारयति। यावत्सार्थवाहयलीतया प्रेष्यदारिकाया सहसङ्गतं कर्मा

कर्पूरतांबूलकोशं वक्त्रकोशं गोयस्य श्रीमहार्हवैडूर्यवस्त्रकटककेयूराङ्गदाङ्गु
ष्ठतलाचार्यहारवैडूर्य तस्कारसमतंकठगारी यानवैवैवकठस्य
वैठकस्य मकुटायवैस्त्रवैठ वैग्रहाम्यांशाली यामठे कस्य मवस्य मानो
शुकशावैरुयंग्रहं कथाठे दीर्घवदनं दीर्घस्यघुशाठे नैघ्रङ्गं मायेक्षणा
द्विधीनिर्वलोडिरुद्वेगोवाठ॥ मध्यदेकमहाकीन्दुरलेखा सागरमन्नलेप।

[illegible]

१२१ [illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
१२१ [illegible]
[illegible]
[illegible]

ঞ্জনাঞ্জনময়দেয়ং। কোঘময়া মহানৈগভাববন্ধনান্মোচয়িতব্যঃ ত্যাহ ॥ ন্যায়
বীঙ্কমেন্দ্রেনা সায়েলোম করাতয়ানতবেনেসবলো নাহ্যোবেনা সতক্ত
১৩২ মেক ॥ ঙ্গত্যবভগবান্বিয়গীস মাক্ষ্যস্বহং সকলনিমং লোকু সবানাকুয়তস্ম
ঞ্জনাক্ষ্যভগবংকন্তু সাববা হং মহাবিদ্রুমন যক্তে নি সগ্ন সর্ব বালোন
মন্তিশোতিযন্তহ্যাত্যন্ন মহাকরুণা সংগ্রহমানহৃদয়ং যাত্রবীবনমাদায়বন্ধুম

তিনাস্যাস্তবিষ্যানীতি বিদিত্বা কংস্য ভাববরকংযুবৈগ্য যত্নগবেব যেতুমারব্বোনকিঞ্চিত্ত
মাসা উক্তবান। প্রথম মাববাহ্য স্বতবা সম্বিগ্নমানসং তাকযুনীত্বোগো
১৩৯ হ্যমাত্মজাগ্যকং দীর্ঘম্ মুক্তাস্তিনৈ সম সহসৈবতস্মাত্ত্য ভাববরকান্বিস্ত
মানহ্যাস্ত্র সাদবে গেমহ মাবয়ুযকং যস্তিনৈ সম্য ক্রাস্তুস্য যাত্রেস্তিযা
দিতবান। স্তিপাস্যত যাদযোগ স্তিপ্রেম্যে স্তিপে বানং কর্তু মারব্বো হনেনাহ্যতগব

কস্যাঽহং মহান্ যুগাদোঽহং। মমহৃদয়প্রসাদবোধনবৈ যস্মিন্ সম্যক্
বুদ্ধস্য যাদযোনি যত্নম্ হৃদাম্বরেণ প্রলিবানং কর্ত্তুমারব্ধং। অনেনহি
১২৭ যদ্যস্মেষু দানেনেহ বৈ হৃদয়গ্রং। অয়ং প্রহৃষ্টে সত্য জ্ঞানসে যাহং স্বহৃদয়
গং। সবন্ধুবন্ধুবাসোহিহি সবন্ধুবিগ্রহিতং। তনুনোযেন গন্ধর্ব্বকা
যাবক্রান্তমেসবেহ। সবন্ধুবন্ধু সংকাশং সর্ব্বলোক মনোহরং সর্ব্বাময়বি

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ত্রিঃ কন্যা সংখ্যয়ৈঃ করচরণনয়নবদনোদ্ভমাঙ্গ স্বস্বমাসক্তিবাতাহৃ
সহস্রবদনৈক মুখদার গহ্বরগরথানক্ষারবস্ত্রান্নাগনগয়নম
পিকনকরহঠ সর্ব্বস্বনা ক্ষুদ্রিয়রত্নাগসম্বর্দ্ধিগায়ত্রবোবিসম্ভ্র
বাণাংনৈঃসঙ্গানা অনঙ্গ বনস্রমথনাদমনগরকোনেন্দ্র মণ্ডনায
ঘাকস্কৃতস্রগোনিকর মহুস্রমানিনাস্রদ্যাগনেন্দ্রো ক্ষীন্তুতদ্রমবীবনগাইত

শীযকাশ্বাবান্নিষ্মন্য বন্ধুমশীং প্রস্থুতঃ। বন্ধুমর্থাং বাক্তবান্যাস্বীয়মিনং সম্যক্কাস্ব
ঃযিষ্ঠাবয়বীস্তুমবলো ঃযারাস্তামাযস্যেবাস্ত্রক্ষণগৃহযঠ্যাযীরহনয়
ক্ষমাবাসাঃ। অযংভগবা স্বীযস্যাসম্যক্কাস্বহঃ গ্রিষ্ঠাযযবশাশীমহনে
বেক্ষভগবতঃ। যাহ্ঃ ব্রবীষ্ঠ যামীমনেকানি প্রাণিশাঠসহস্রাণি থাদ
নীযসোহনীযগৃহীতাহুযস্তুগানি। অথভগবাবীযস্যাসম্যক্কাস্বহঃ কন্বস্য সাবিবা

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

निर्मुक्तं सर्वशास्त्रव्यापारगं॥ सर्वधर्मावसंमुक्तं सर्वानवद्यविवर्जितं। सर्वोत्तमः
सर्वदर्शी सर्वाकारविशुद्धि
सर्वामतगुणं श्रीमान सर्व
मकातमेव वैरुयस्य
सम्भोगदलनीयं ग्रासादिकं
कृतं॥ सर्वीव सिद्धं सम्बोधविर्यं महाबलः
दुर्धावैकमग्रयी। सर्वेकत्र्यपि दानकरणस
रकस्य सहमेव सावैरुयनानुहिनास्रुयं
सर्वनुवनुगाहकवैं सहमेव शास्त्राकस्याद्या

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

মণ্ডনহরণধিবসকরগতস্থসন্ধ্যাহ্নদবৈনিসৃতহইক্ষণসহসুসরমহিবর
যদনুকন্যাযাহঠৈন্নকনক নিবৈ।কঠকক্ষকঠয়া গতশ্রীযোদহরনা
১২৮ ঘিরনযন্তুবেহকাম্যকপি ঘিপিন্যাপ্যরমকরহমণিযনেহসকতকম
নদতকণাক্রোধরবৈনৃয় গিনোহয়ত্যুম্যকোকেরামনহনম্রগান
ঞ্জনাহগুণ্ঠিতহৈয়হাণাং স্বয়মাবেগহস্থানানতনহম্মীজগাগযগহনানাং যুগি

স্নানকর্ম্মযা বীথানথোনয় প্রাস্তমষ্টিরস্তনবোদিত দিবসকরাবিকচরস্তইরযীপ্ত
ইত্থং সঙ্খাস্রবেস্থাবগুলিপ্ত হর্ষবশাকনগারস্তস্ত্রনাথকন্যাস্তমঙ্গবসুবর্ষ
১৪২ যথোযবনাদ্য মৃতবিস্তমত গানস্তঙ্গঙ্গবসুবন্তু যুষথ কাঞ্চনস্থানোযনে
দ্বিতঙ্গবক্তেনয় যোতথাসম্ব দ্রুগানেকবিবিধবর লোস্তরস্থবিতঙ্গবরলয
বঙ্গথ কবহকমতবেস্তুযমা বিতঙ্গবরাস্তহংসথ এবাবতঙ্গবমস্তকেনীকম
নাবেস্তবিস্তবিতথাসি হঙ্গবমনথ শিনাবাস্তাদিগ্বসকনস্তবনলক্ষ্মীপুঙ্গঙ্গবদেদীপ্য

वसुदेनेह मवत्वमगीयकं दावं गलोऽपकनु० सावधाहु स्तुर्वत्वमगीयकेऽ० स्मेषुऽ०
सावधाहे स्वयमऽ इङ्गालोऽ
१३५ नवयंऽवनु० कनु सावधाहु
ऽवनु० शकं वऽऽरेकऽम
मेकुवं ऽदम्मन यहेन्न प्रदीयगामेलक्के० हुर्षकट कके स्वराङ्ग दकण्डनसावाई

मत्रिकं० सावधाहु स्तानत्वोविकानिदमावोऽऽ।
मवसीदनु मथ्य यंक्कमहे यऽक्कस्वमायाऽ॥
मवर्दुन्नाबेकेनवरुव०। नत्येन वाऽयलपरे

কাপোগমাগত সুবন্ধুবন্ধুবৈক্ষে শরীরমাত্মাদিকং মহাহৈশ্বাঙ্গ দক্ষণ্ডতাদি
স্থিরতরুবে বিশেষেদেব চাঙ্গিশ্বকনুকাবোত্যেন তস্মাকয়ম্ভ কমদমা
১৫০ দ্বারকাদেকমহত কর্ম সবর্ষয়া ইন্দ্রদিব্যশ্চন্দ্রনাগুরুঙ্গ কমদমান
যদ্বন্তুবর্ষয়ুক্তমেবাকা ঘুষুমহো তস্বাগতাযবেয়ে তস্য দানবীজস্য
ক্ষাবিলিষুগাহুর সময়ে যন্ত্রঙ্গ তেনতদ্বেন মধ্যবন্তুবর্ষেণ সর্ব্বন্তুহস্থান্যা

ছিন্নাদেশাং মনযত্ন দিশ্বা ঙ্গীহত্বা তমুনত্বা হা কিমিদমিতি কামস্ত্রিহত্বা ত্বাথ্যানিয়
ত্রিভত্বা শীতেন বায়ুনা সংমৃ- সুখিরাত্রেনানীনত্বা তথা তাত্ত্বা যথা সাং
কিমিদমিতি জ্ঞেবিকোষুমা রত্বা তত্রোত্তাযাম কাশাহযন্ত্রত্বা তেমী
বিষয়ত্বা তত্র নিসম্য কর্ত্তসুত্ত নূনম্মমাদক্ষিণা যজ্ঞে ত্রেণ কারাত্তত্রা যেনামে
ত্তত্বা তত্র যত্তস্মাকমনজানী বহুমধুনা করে ষ্যামিকং গরণিন্ত্বত্তামি কম্যমথা

यद्दिनसरसहस्रवरप्रोतिवीनग्नमालिकनकमञ्जरीघ्रसेकानुरञ्जितहर
णारविन्दानां। करुणाग इहानुमाद्रानकुकयप्रसरकचीकुम्भः
लोकमस्य मुखकरा युवरणानां। इन्द्रनामनथशक्तिकाहासवि
मनं यादयप्रानां। उलाः इहहघ्नतानां। विश्वस्य लोघमोहान्धकारा
लां। सकलइगद्वबुद्धानां। निष्कारणं यरमवलेन स्वभावानां। अङ्गेन्द्रान

मानमूर्त्तिरेव यादाम्यामठे यरमसद्धठरपठरणसरुठेरनठेनठताम्यांग्रठेनवद्व
कठकमनसकमारकोमन ठनाम्यांग्रीमठस्वसुकनम्यावठेवर्द्धमानमीन
वेरुवेठ्ठताम्यांठरुणगं ग्रांकुवेद्यनाग्रसयवेगनाकिं। सरुठेरनम्या
ग्रांस्वनेमान्नेकयुकाणग्र निवेषुदलनीमठुकुंनम्यांनम्यठेनकय
ग्रंम्यठेनाग्रठेमसङ्गाठदीर्घहस्ता यनांगुनिम्यांमुहसकमारठुनासंम्यालमाम्यांम्या

হাবাস্তু নীয়কানানেকানঙ্কারণাঠসহস্রাণ্যয়দ্রত্নানি 'অনেকানিঠকাণিঠক্ষ
নকোটাম্বকোশেযাযবানু কস্মৈক্ষাঠিমহার্হবিঠিত্রবস্ত্রযুগলানানেকা
নিঠস্যাঠশ্মিন্নেবস্কণেযস্যা লানিতঙ্কারালোকাঠিমহীত্রালিঠসমুদ্ভূতাঠ
ঠঠকন্তুঠসাচবাহুস্যাবিত্র ঠিমবলোক্যযস্যোঠকথযঠিঠত্রিযগ্রাম
ঠানবীঠস্যাকুরঠপ্রাহস্তুঠঠি 'সাযপ্রীঠিপ্রামোহস্তাঠামাবিযস্যিনসম্যক্সুঠ

ইমাত্রেলৌ যেনাবস্থিতমথভগবানবিযম্যিমমস্কাবুহস্তুস্মাহস্থানন্নিষ্ক্রম্য
বন্ধুমঠীযকঃদাবঙ্গতঃ। কন্নোযেমাববাকোজাযাম্ববাত্তাতত্রেমোঃ
স্মাকংযন্ত্রংদগতোযমা মাস্মাকমীহশ্রীবিযন্তিরত্নদ্বঠ। সাকুবয
তস্থানংগস্থামীতি।তনস মাস্থাতং। তদ্ধস্তুশীঘ্রংমামেতত্রাদ্বিগমা
নানংযযাতযিষ্যতীতি। কন্তুঃ সাববাহুঃকথযতি। কন্নমাসাবস্মাকংযন্ত্রংকীঃ

১২৬

বনো কাকোঽবেষ্যামি। কোলোকে হীনদীনাত্রকম্মকথা। কমাগম্যাহমি
হং দারিদ্রমহাসমুদ্রমধ্য বিষ্যামি। কমাগম্যে মাসনন্দ্রা শোকনদীম
মুত্তিষ্যামি। কমাগম্যে মং দারিদ্র শত্রুয় রাজ্যে কমাগম্যে মা সবহং
থমাহকাং দারিদ্রনগ্রাম ত্যাহয়িষ্যামি কমাগম্যে মদারিদ্র বৃক্ষমুন্মূলয়ি
ষ্যামি। কমাগম্যে মংকুহঃথদং ষ্যুকরানবদনং হাহাকারভৈরবমহানাদং দারি

লোকবাণী। ইন্দ্রহীন সন্ধ্যারাগো রগবৈ বাণী। দুষ্টুরগন সহস্রো যাত্রোত্তমগ্র
ণী সুহৃন্মমারাণাং। ঘ্রঃ সংস্কারো যদি ন যুক্ত্যথবা ন কর্ণে ঘাত
১২৯ ঠক্কুরানাং। বৃক্ষেষু ঘেন্দ্রতনানি তয়ন বরুণ কবোরগানাদি
ঠক্কুরবেরউষ্ণগাসঃ নানা। মহা কারুণিকানা। লোকানুগ্রহায়
হ্যানাং। একারক্ষণানদ্বিগীযানা। অন্বয়াবাদিনাং। গমঘবয়গানাবাহার

শ্রিয়াদেবী পদ্মানোগগনতনর্ঁবসাসুরও সকলমিদং দৃশ্যতে নবসাসযন্তুস্য
মাধবাহুস্য নংখণ্ডাববঃ রকমনুযায়ুও। ফলোবিযপ্রিনাসস্য স্ত্রীমূহে
১৩২ নম্রতপ্তহরকনকরসরাগ ধ্রুবা। বৃহাদ্ধ ইবমামেকাদীয়ে গাতনয়ক্ত লক্ষ্মি
সকাশোকরক্তোপলনকরণ্ড করবীরসচ্যাত্রতমাকনস্যস্য সম্বগ্রহগানুযম
বাগারুণ তইসেহ স্রাইবেকাত্রজাসম্বলেঘ্রা। যযাসহ সৈবখণ্ডাববরকং সানুবি

নমস্যন্নীশানিবস্থালি। স্বনক্ষাবালিশাববকংস্বেশযৈস্তমাবস্থা। বিস্যোযী
দাবকস্মুতযৈস্তকস্মযানম্র বৈস্কুস্থ্যোযস্থমানমস্মামাস্মীযাযব
১২৭ মবিস্যগামেবস্মনঃপুনঃ ।সংশোবযন্মনস্কযস্তি। কস্মযাযাযকস্মকা
বিশাযরসস্থস্যসাস্নিনা ইতি বিস্যেশাবন্যদ্জনেনহীবিগস্মযোস্ত
নংসর্বথাঘ্যাস্তযাস্মামোনমিস্তদ্বিগ্নমনঃ সহসৈবযাস্তনাস্তস্কস্যাগসাস্থা

শোবেই। সামাহ্নকথয়ত্যার্যমন্ত্রয়রমবিস্ময়দজনোবিস্ময়াত্মাশ্রেই॥ ততঃমা
বন্নারুহস্থরিতগতিঃপ্রগারভয়া ততঃঘানংগতঃ যশ্চাতিতবিস্ময়কুমারসব
১৪১ নুবন্নুকায়মতিমহার্হসূক্ষ্মঃ সুবন্নুযীতবস্ত্রাস্ত্রাদিতশরীরং সবাতক্ষার
বিস্তুষিতমতিমনোহরং দল নদেবকুমারমিবযরমযাপ্রিয়াদেদীয়নং
হৃষ্ট্বাতঘ্নরহোবন্যঃ সম্বরুযোযস্যার্যমন্ত্রঃকঃ শ্রেবস্মকাঃকুমারস্ত্রবাগোবা

हिर्वितीनकनकावशंसयन्त । इयानोन्यकर्तृ॰ सावबाह॰ क्रिनेयमेहिसय
त्विक॰ । यथाहिंगवन्दे वेयगिनंसमाशुवं वात्रिक्लेन्महप्रेरयनक्षा
नेक्षमृक्तिवृत्तिमनमेव वंमुहुर्यावशेकर्मवद्धन्वहु । हृष्टकमकरसाना
गकन्दुकारक्षमक्षमक्ष विशानसन॰ । शेनाक्रोत्यतसरलचानरक्षिह
इनयशिथिवताहमेव ककाञ्चनवाहयहुहेक्ष लुकाहे मुक्तपरशुकपशानपुना

মাকলো হৃক্কগাথাভগ্নামহসৈব মাহৈহৃক্কগাথযাযতিলোবেদনাসুখাবতিষু
তে। অত্রযানুচেনাস্তিকিঞ্চি দুষ্বানাভগবতামস্কাতমহষুমবিদিতমস্কাতম
দ্রাক্ষীদ্বিযস্তামসম্ক্ষাস্বুদ্বো দ্বিরেনহুদ্বভস্কুষাবিগুদ্বেনাতিক্রান্তা মানুষা
কেনবিস্তযযাবকং ভবাহুঠ স্থিতহুস্তাভগ্ননর্ম্মাকরুণযোমস্থোগ্রমাঃ
নোসাস্থাভহ্মানগবোস্বশরীরযুগাম্বস্তুষুবান। কন্যগতমস্বৃগাস্বভগবতো

ककमाह मुद्रं ॥ स कथयति कन्नो नाम साववाहस्य सारं मुद्रं ॥ कन्नः
साववाहः सलेस्कयति । वि लोकोहनेन कमाचेण वि न्यसमर्ह
इक्कहरुनोइ नेमषमडेवी स्वमाणः मुनसुकमारस्य वाह । लोकुमारः
सलं कथ अ कमाह मुद्रं इ वेसयः कथयति किमत्र वेगयते । सलमे
वाहं कन्नस्य साववाहस्य मुद्रं ॥ स कथयति लोहमनेन कमाचेण स्वेड

ऽमहाबाहुसंनिवीसयिष्यामि। कमहमागम्येमं दारिद्रमहामल्लयवाहिप्रो।
कमागम्येमं कृष्णादिप्रदीप्त युद्धानं दारिद्रवह्निं निर्वापयिष्यामि। कमहमाग
म्येमं वैद्यदारवनं पुदारि दमहाहस्तिनं दमयिष्यामि। कमहमागम्येमं
सानकहृदयविषमविषः ग्रासं दारिद्रमहायन्त्रणं निर्विषीकरिष्यामि। कमा
गम्याहमिमं सर्वस्वापहारिणं दारिद्रमहाचौरं निवारयिष्यामि। कमागम्याहमिमं

[illegible] । इदमथ वसुकगतानां । उत्तरोत्तोत्तीनानां । वसुर्द्विघादशरणमनसयष्टि
[illegible]नां । उत्तम मङ्गलवसु [illegible] ह्रदीर्घरो [illegible] यरेऽयानां यरुगङ्ग वपत्री
[illegible] । यरुगठिसमठिका [illegible] नानां । यरुङ्ग समवागठानां । यद्धारमेत्र
[illegible]नां । सयुबोधङ्ग [illegible] कंयमाणानां । अस्तुङ्ग मानुदेगिकानां
[illegible] । दशवनवतीनां । दशदिक्षामायुन्नुयशमानां । दश

সর্ব্বত্র স্থহস্তাবং দারিদ্র নিগড়ং ভেস্যামি। কমহমাগম্যেমং দারিদ্রগারকমহং
ক্রমিষ্যামি। কমহমাগ
১২৮ গম্যেমং দারিদ্রান্ত্রকং নিবা
যুগরিষ্যামি। কমহমা
গম্যেমং দারিদ্রমুক্তাকান্তারং নিস্তরিষ্যামি।
গম্যেমং দারিদ্রমুক্তাকান্তারং নিস্তরিষ্যামি।
এবমনেকপ্রকারকরুণাদীনবৎসলৈ রক্ষাবিক্রোশাইস্মা। অত্রগানুরেনা

[illegible]
[illegible]
[illegible]

বগুস্থিত বিগ্রহং হৃষ্ট বদনঃ করুণ্য সাধ্বাহুস্যাতি মহাপ্রসাদো ভবতঃ॥ কিন্তু
গৃহেন্ত্রয় দাস্যামীত্যেব মালোনো কৈরবমবলোক্য নাগতি মাবয়ব
১২৫ মুক্তং সত্ত গৃহীত্বা যত্নাঃ ঃ কথয়তি। ভদ্রেন যামা বয়ব কোয়মাগত্ব
ঃ বিক্রয়ো গৃহং প্রবেষ্ট্যা নীতানীতঃ। স্বয়ঞ্চ ভগবাত্বি যশ্যা সনাত্মনুঃ
যত্নমদক্ষিণী যোঃ হীনদীনা ত্রকম্মাকো ভ্রম স্বত্ন মথ দানবীভূমুদরিদ্র ব্যসনোন্মু

মৈত্র্যাদ্যং বহুসৃষ্ট্যা। যৈঃ স্মৃষুমাত্রস্যৈব বিরুযস্য আশ্রীবেদঃ থবেদনামা
স্বর্গবিগ্রহাদ্ভুতকৃদ্বিদঃ থ মুদ্রে যুদ্ধং মহ সেবোপিতঃ। যশ্চ দ্বৈযশ্চি
১৩। সম্যক্ স্বুদ্ধং কৃত্যকো ভিন্নমুদ্গতমহ্রস্বহনুদ্রদলনমন্তপুদ্বাদ্বিক্ষুন
মহাপুরুষলক্ষণোগ্রহি দ্রবিগ্রহং মহদলনাস্ত্রাস্য ভগবতো বৈযশ্চিনঃ
সম্যক্ স্বুদ্ধস্যো যবৈমহানয়মাদ্যোহাদঃ। তেনহ বিদ্রাবকুকং হুমুমাত্রবস্ত্রং

[illegible]

[illegible]

[illegible]

स्मृकिञ्चिद्बुद्धानामुगवशामश्चनमद्बुमवेदिनवेक्षाः। वमीनाग्यलबुद्धाना
मुगवशाशरदश्रणकर निकरवेसरयरेग्यडनयरेक्षघेतमलिगुण
श्रणदिवसकरसकना मनकैग्नेयकनायकवनयमरकलेन्दुको
मनायवेमनसोदामेः नीवतयग्यनवाराडयेकस्यसमुद्बानानन
क्रानाकनायसकन। मयूग्यकिरणवहुतद मनडमरमिकरवेडडरीक्रडडया

[illegible]

तक्रं भवति। इदमेनं माषपूपकं भगवतेऽर्पयामीति। सा कथयति आर्यपुत्र
अनेन वयं क्रियमाणं इदानीं गोवर्धनगतमुनिसमाजस्य पुरतः कृतं भवतीति
वयं केवलं सार्ववाहिकं मत्वा कृपया इदानीं एनं माषपूपकं कथमहं गृह्णामि
स्नानेऽपि वेतनाभावनाशं इदानीं यदि यदीक्षं यत्र हार्मेवराङ्गमाषपूपकं गृह
यदि चोरकेन यदमार्ववाहानां भगवतेऽर्पयामि यत्र यत्रैव घाटमानमेव मन

अथ ज्ञा इह माशीतेन इप्र माद्या विष्णुन शरीराय वशार्य मह गाय्र माद्य वागन
सह मेव वै यज्ञिन ओ शा
ग्रो वै यज्ञिना इवागतेना
ऽ क इवागह मा काय्र
यह मा मक्षो यवि श कट इह मा

सुक यवे नेत्री मुमेक कनुकार कमन्त्र इगव
हुगा मा मक्षा बुद्धेन इघा विष्णु इघा इह मुय
मालि क मृत्वा काय यह इक्ष दे इ वाने। कनुका
मृत्वा इद्व व दव स्कु। इ इ इघा वे रुयम दार

[illegible]

[illegible]

[illegible]

যস্যামি কান্তমত্যন্তং ইনন্ত স্মীনি কেতনং ॥ হস্তাদ্ধ্বজ্ব বলন্তেন্ত্রা পংযবযাগ্নি
যাবিযোগন্তু দিগাও কল্পা প্রসাদো ক্ষত্রবলে বাও ॥ তত্ত্ব স্বক্ষ্ম উক্তেন নম্ব
১৪৩ খণ্ডন কর্ম্মযা হরিহরে কুক্ষ্ণ কৃষ্ণ তস্যৈব যবযাম্বদা ॥ কন্তুকাবস্যানে
যুষ্মাসেক তস্যৈব মযাক্ষ্ণঃ ক্ষ্ণ তবো যবিস্মনে স্কন্দ্রবলে সর্ব্বক্ষ্ণং ॥ তত্রা
যিক্ষ্ণ উক্তেন যুণি যমস্য যাদযোও মযাপ্রসাদজাতেন যুণি বানমিদ কৃতং ॥

तिर्नमस्तस्मै भगवते तथागताय अर्हते सम्यक्संबुद्धाय यदिदं इन्द्रनीलमणये इन्द्रवा
यपुण्यक्षेत्राय एकान्तपूर्ह
सर्वदोषविवर्जितं। यद्यन्
नं मे सर्वसंसारवर्द्धितं
कथावशेषमेव गृहं शोकविवर्द्धने।

यपूर्नुवदनकमलं प्राह॥ अहो गुणमयं क्षेत्रं
मुमयीवीरमन्त्रिवदनदायकं॥ कनकयवीरं
वेद रमणमनुद्गहेमरत्नमयं गृहं॥ कनक
कमलपाण्डुरं। कर

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

কাতগতঃ। তস্যগ্রহোবাচ্চে যত্তে ধৃতঃ সোযী কঞ্চি কাতং বাঞ্চং কারয়িত্বা কাতগতো
তমাত্মেম্মিহ তাস কোবেণ স্বস্যোবাচ্চে যত্তি ঘাযিতঃ তেন যত্ত ধৃবর্ম্মস্যা
নিবস্মেলবাঞ্চ কারতং। তত্তঃ কাতস্য বাস্তু ধিতদেবনিকাযেড লোযেন্নঃ
কিং মন্যসে মহাবাহো ত্বং তেন সমযেন স্বস্যোনাম
রাজাঃ স্তুদ্বিত্তি। নস্যল্লেবং ভবুঃ সর্ব্বে ধৃবস্ববনুবন্তঃ সত্তেন কাতেন তেন সমযেন

ब्राह्मण करकयागलाहिहिउ। आर्यबुद्धिं यूयमिदानीं वयमिह वेमुद्धा ।
यसंक्रमेनवांमन्यामहेह
हणहरीलाधिनमानीन
निमेवस्वदनेनक्रोनवः
कथमेनस्तुकु यदहमनेनाघाहिकेनकुणा
हे। कस्मैहिंकुउ कान्यायेवायाहिहं। तनि
मिह। कस्मैनधार्मिकविकेनकुणानसाव
कुंरमावकुनमेकुकाम्हेहिनस्ताहिस्वोरवन्नोनेघारिनं यावकुरुणयरंयनया

অনেন নাব দানেন অস্মৈবাহস্কৃতং যজ্ঞং। যত্রৈষ্যস্যস্ব কৃতং যস্য চ বেশ্মহি চ বাস্তবে॥
সর্ব্বন্তু বন্ধুবর্গেষ্বহে ময়া তৈর্বিগুলিতঃ। ভক্তনো যেন গর্ব্বস্য কায়াত্ব
কান্তে মে চ বেশ্ম॥ ধর্ম্মেণ চ ত্রিবানস্য ময়া কৃতমিদঞ্চ মে। কৃতমেবস্ব
বস্বর্ণ্ণাদ্বর্ত্তচ্চ নোবর্ম ॥ মহার্হালিচ বস্ত্রালি যানানি চ মৃদূনি চ।
সহমেবাস্য কামেন প্রাদুর্ভূতানি চক্ষেলাচ॥ দেবতাভ্যো বিদ্যুক্তং যস্য বর্ষন্ত চ

পুনঃ গৃহবরমঙ্গনেমিঃ॥ অথকনুঃ সাধবাহোগৃহমাগতোসার্য্যযাবা সা
হুষুত্তুযুয়ম্ব দ্বয়াসো কেনেনহৃঙ্গাবেণানর্ব্বমন্ত্রযুদ্ধং ১ কুর্য্যায়
১৪৬ পুত্রত্বহম্বণ্যানুসাবাদী হুঁকেনায়েসগবনবরমঙ্গনেমিঃমেত্থক
নুঃ সাধবাহুসুগবন বরমঙ্গবীস্থযবমস্ত্রাঙ্গমোমনস্যজাতঃ
সুঙ্গবাহুদ্বেসগবঙ্গডলন্নযুম্মাদোযহনিসারামাক্ক কর্কসী কুঙ্গকরম্নস্যাঙ্গ

ঋষভসেনাহাবেণসপুত্রং সোঽথী কামাদযোঽ ব্রণিযত্যযাবত্বী বংসর্বোম
করণেঽ ব্রবীদ্ভবান। অথা যবস্মিন্বসে সক্ষেত্রপানকোস্তকঃ যস্তবঃ য
১৫০ স্তুষসীত্যামিন্যা ব্রহ্মযত্তথা ঽকুপুষ্টকামাদ্যযক্ষেত্রং সপ্রসূতোঽস্যো বাদ
ম্যান্তেস্ত্রকঃ যস্তবোঽন্য নবস্যো যামকন্যান্তকাযথা কন্যেনযাবা
হেমমাযপ্রযকমেকং মুক্তেসগবত্যেন্ব যুজ্যেবন্বাস্যাপ্রাপ্তেঽস্তুহাস্তপুনঃস

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

গতহন্ধমনমূনসংজ্ঞাবোমোহিমহিনাসমূক্ষোঽহিমহতাসকাবেশহস্তিমূ
বেশমাবোঘসবননীত্বা ঽর্ষিমনংনিযাযার্থনাঙ্গংবয়মানেনযুক্তঃ
১৮ সকর্ষযতি মহাবাহুনাহি কাযেরবীঃযবজ্ঞানীস্বনাংযবঙ্গমহর্ষ
ঞ্চরামীতি সুরাঙ্গাবঙ্গঃ স্বাখ্যাকেবর্ম্মবেনযেযুদ্ধিঃসমহুযাবে
মাযুদ্ধবর্ষবংত্বা কাতগতোনির্ম্মালবাঠিগ্রযেবন্ধযযনুঃবন্ধুমানযরাজো

यदेलेषाहि। ननयावद्जीवस्यागायिकस्यो घाकरवेषामीहि। सकवयत्यरु
कथा करेषामिनमुहाकन वदिहं करवेषाहि। अथेकयदाय ष्ठेयंतुहि
यदेसिंकुहि सार्द्धं नेषन्तु ॥ ईहावहि मुते। कदाहलेवानायेन कथयि
षामीहि। नायुहिष्ठाहमे वहंरेषामीहि। यावयवस्मिन्दिवसे सर्वा
स्मकथिकोऽकुहि कुहि सार्द्धं नयनद्वारेनेषन्तु कथा सांकथेनावहि मुते कथा

ह्वङ्गि मिन्थायु युवायसा ॥ ॥ उ तोरणं । कत्रेदं हुमसद्रमसकाहावो यसोऽ ऽ ऽ ॥
कत्रह्मे ककेट कद्वारावर लकगृहं । कत्रेदं स्कुऽ कोकीन्नु कथाहमुऽ
संयुहं ॥ कत्रन्नमसऽ रोवस्तु थल्लावरकगृहं ॥ केदं मलेमयमुमुने
र्यहुयुऽ मलिहं ॥ कत्रदा क्रद्गाद्वेन समाप्रयुऽ तत्रवरं । कत्रेदं हर्य
न्योघवीलाश्वरमसवेऽ ॥ कत्रऽ कयानसं कारवाशिप्रनुगृहं मुरा । कत्रेदं

[illegible]

इकाहेन्तृतंप्रणिपानुकृत्वान् । अहन्त्वयनर्यङ्गवनुंत्वागतमहिनुसन्यकाम्
इंमनेककत्याकोटीनेय गगठेमहस्रेत्यनामाग्रदलनमठेदलनी
यमनत्वरमनन्तकत्यमठे सहस्रमयुगधोवसलयृत्वोत्तमयधामः
मुरान्वेयृतृकाश्चमान कविवसाम्राजिकङ्गविषमलोत्रगोयदत्
डिमीनाम्बकन्यकंबठेत्तनवेधोघवलातमन्त्रयन्त्र त्वलतमन्त्रयन्त्रत्वा

যনীতিবস্তেঽন্যদ্বস্তুঃ তত্স্কন্ধাদেবশরীরে সমন্বয়ঃ তত্ত্বতঃ। যোসৌ বন্ধুঃ সা
ববাহোঽয়মেবাসৌ দি বাকরঃ সাববাহস্তেন কালেন তেন সমন্বয়ে
নযাসো কন্যুস্য সাববাহ স্য ভার্যা। এষৈব দিবাকরস্য সাববাহস্য ভা
র্যা নাসী কাঞ্চিসুন্দরী। নাম যুবতাঽস্যা সাত্তেন কালেন তেন স
মযেন। সুনরঘিবাহাঽজাতস্তুঃ স্কন্ধবানন্দ মিদমবোচত্। কিং তদনুনন্দ

ध्यिनयंत्रयश्च यदत्रश्चेत्रेदिलायाम्रजीवरमाद्यायथायरत्रकुंगायनास
नेयुत्रेमनयाठमाद्वि हारावेषुमसंयुक्तुत्रा।त्रक्ष सपंक्तुत्रमव
लोकाश्चेत्रवोत्रेक्षुण ० मत्रकर्वेत्रकनीवामीत्रनकायत्रुनेवर्ग्य
ठकामाश्चमृतुलोत्रेव वद्यत्रमावाम्रीकथिकमत्रेक्षोश्चकोत्रलम
त्यन्नश्चनशोजनमयान्कंयल्लूत्रमेकारकारणोदीत्रधानयायगत्रेमय

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

নমস্কৃত্যোনামচাক্রাস্তৃত্যদনেনবৈযস্মিন্নিতুপাগতস্তীহ্যবলোকংবসুখণ্ড
মবমুদন্তুপ্রণিবানকৃন্ত ইতুস্যকর্ম্মলোবিযাকেনানেনদেবমনুষ্যো
ঘুনন্তুদিবমানুষ্যকর্ম্ম ঘমনুস্তুতং যত্রযত্রোযযস্তেতত্রতত্রস্তব
মুকাযেওমুবনুবনুবস্তুস্থা দ্বিতুশরীরওকন্তুকারতুস্যমাবর্য্যপ্রাসাদা
দ্বিমমযেযুযতুইস্ম ॥ মাবদেতুক্ষ্যেবংমুণ্ডমহেশাস্যোযকোযাদমতুদ

६६ तेन ते कृष्णाय ऊंग्रवो कथयति। कथं वा मारेति। एवं वा मे कपि कोऽपि कुरु
हि। मयेन वा मे कपि कोऽ
५२ ऽदन्तकिं मया कर्तव्यं कृतं
तेन तस्यानुकेऽहं यद्
यत्कर्म कृतं येनहं मृतमर्हामीति। तत्कृष्णोऽपि तस्य ऽक्रोधेन दग्धवान्।

कृष्णेनोपसंक्रान्तो। उपसंक्रान्त कथयति
यदेवमवनेश्वरणमोक्षकवानमीति।
मन्यं वा कर्मनिगाहि गाहं गाहयामा

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

হৃদ্গৃহং ॥ কেদং সুরভিসঙ্গং ববাসিতানুপুরং সুরং ॥ কস্যাবাবীরঞ্চগৃহমনু
রহিতঃ সুবাসঃ ॥ কস্তেদং বিবি
ধসহমেকক্রীড়ত্রমনোহরং ॥ কস্তকাকাগু
হিস্থেহরথাশাস্তবিনষ্টি
হং ॥ কস্তে হং বিমনানেকসুকাহাবোযশো
হিতং ॥ কবহঃ থবিনাযো
কৃসময়কৃচস্তুহং গৃহং ॥ কস্তেদমমতস্কন্দ্রয
হাকোকাযবৃষ্টিহং ॥ নমোস্তুকৃষ্ণোনাথায়পুত্রস্কেত্রায়গায়নে ॥ যমাগন্যা

यक्ष नमश्च स मनोक्ष्मात्स्वयक्ष ये ऽकुः स मुर्द्धु नामो गजानन्
यामेन सर्वसत्वे कर्मा वसेव्रकारो ऽमा हृद्दि ऽस्मात्रेष्मुद्धा रयेयं
ऽगहृ ऽ मिह मोऽघेयं कर्थ्रीगानामास्मो सयेस्य कर्थ मारमग्नम
ऽग्रहरिय कर्थ दक्ष मानमा ह्लादयो य ऽ ऽ ऽ ऽ मेव मस्मात्मवीर्यक्ष
लायरऽ मकोऽ ऽ मह मं स्वप्नर्द्धवस्त्रन्नयामास्यो यानहो ऽ ऽ नक्षत्रयानाम

স্থিনায়ং কয়শ্চ যদকশ্চেকৈবৈদিত্বা যাত্রজীবরমাদায় যথা যবস্তুকুং গায়নাস
নেয়ং কিমন্যাকমাদ্বি হারান্নিষ্ঠুন্যসংযুক্তকঃ। কথং সপ্তস্তুকমব
লোকাকিঞ্চবোকিঞ্চুণ ওসংকবিষ্টকনী বাসীহনকাযস্তুনেবর্ত্তয়ে
কামাওযুষুলোইব বহ্বাকস্য বাস্মীকবিকস্যকিঞ্চো ওকোকুলস্য
যেন্নওনশোকনমযান্তুং যল্লুকমেকারকারণোদীহমানযাযগকিমস্য

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ত্রিবানেবলেবাপিইত্যান্তরং॥ কতপইতনৈঃশেষনাগদন্তকবন্ধনং॥ কতেদমিন্দু
নীতানুপ্রবিষ্টঃক্ষুইকম্ম হুঃ॥ কতদাসননির্ম্মুক্তমিষুকেকযবাযণ॥
১৫৮ কতেদইত্রযত্নানুসম্ভবকস্ত্রাবিংশং॥ কবতস্তুর্কবাকীর্ণেতুতেসম্ভবস্তু
বা॥ কতেদবহুবিপুলংযীযয় ক্ষমনোরমং॥ কতক্ষুণাক্ষুক্ষুমোক্ষযনেসে
ত্রিকর্ম্মা॥ কতেদনতিকাস্মীনুমহাত্মীবমনোরমং॥ কতক্ষাস্ববিসংকীর্ণুহুদবান্তঃ

[illegible]

१५२ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

इति तेन कृष्णाय संग्रहो कथयति। कथं वा मारुतिः एवं वा मं कपिकोटिकुरे
किं। मयेन वा मं कपिकोटि कृत्वा नो यं संक्रान्तु। इयं संग्राम कथयति
१५२ इदं किं मया वा यत्कृतं यदेव मवनुं श्वरं नाम्नो कृत्वा नमीति।
तेन कृत्वा नु केऽहं यद्वा मन्यं वा कर्म्मनि शाश्वतं गाहं गाहयामा
यत्कर्म्म कृतं येन तत्पूतमहं मीति। कृत्वा अहं कर्म कृत्वा तेन कृत्वा ॥५०

করমুণাবদাতোস্থিতস্তুবঃযথাকমাসকৃযদুদামকনাযংসকনমুক্তবো
যশোজিনকেতুমহি রুইরকনকসযাজিনববিনস্তগীসমুতা
যনুবোযশোজিতমুখ সম্বাঙ্গশাতনাম্বুযবপ্রনুগস্যোপশোজিত
ঘারমযরমিতরস্তবেই যস্কুটকসুমারগাস্বেন্দ্রনীনমহানীনাদি
রনযরপ্রনুনেকনিবেমহগ্রাপ্নর্যমাংশেষানর্যদ্রব্যোযকবণযরে

ह्रं ह्रं ॥ ऽप्तुमात्रं यदत्रैव वीरं स्मरन दायकं । लोकाग्रेषु स्थितं कमलनयनं घ्रियतः
मर्हति ॥ कस्य वकनुं सार्व बाहुस्तुत्र्यमा दवेगावर्हि हेतुमनुष्ठि । संन
ह्यवहे भगवन्मागमाम त्रैव वैरुहेनामा हिगायन्त्रं हृ घ्रयमलोऽगव
नुवे यस्मिन्नमघागमस्मि नगृहे प्रवेश सगावकगणाजोऽत्र यमेह
वहामहुमामकारेण वणस्मिन्नमघागमं सगावकसंघमनुस्मृत्य हृदयनीम

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

কেনাক্ষণেনন্যাসেমকোবাস্তিসূত্রেনমযাসবাসূত্রেনাবন্যোনেথারিকস্তু
হস্তমস্যানকস্যাস্যযাদাযেষ্ঠ। সঙ্কোচিকুণ্ড
হস্তযমস্যযাদেশয — মিক্ষকাশীবমস্বিগ্নউস্তোঽন্যকমহস্তসূত্রং।
কথয়ষ্টা আয়ুষ্মানক্ষন্তঃ — সাস্তঞ্চইকাযপ্রলোবাযাপ্রভৃতিমুখ্যাস্মৃতি
নওকৃত্যনেষণ্ডও যথ — মাস্তঞ্চইকাযপ্রলোবাযাপ্রভৃতিমুখ্যাস্মৃতি
যযস্যাযাতেনক্ষীণেবযবমসম্বেগত্রবীন্দ্রতেতেমাডযক্ষগাযহমানে

শ্রীনকনুমা সাহবাহুমা তদ্রবলেনমযঞ্চতুর্দ্বারমষ্টমতনকংগৃহমতিনির্ম্মীয়ত
স্থেষ্ঠা ততোবিশ্বকর্ম্মালোপর্গ্র
সা দেবেন্দ্রস্য অতিস্মযেতত্তক্ষণাদেববধূমতী
১৪৯ রাহবানীমাগযতদ্রবলেন
যেষুকষ্মস্তসাঞ্চিতযন্ত্রহঙ্গকবাস্থানকগ
বাক্ষনির্যহকযোর্দ্দমানাস্ব
বৈর্ম্মাদনকনাগযদনুকনক্ষস্থার্থযুমত
নকমতিরমণাযতোরণোযলোতিতদ্বারংমরতনবরাঙ্গ্রহতহিমনকরণাপি

হমস্যৈব কীর্ত্তো দারিদ্র্যসাগরং ॥ নমোস্তু লোকেনাথায় সর্ব্বস্বায় বিষ্ণবে ।
যস্যাগমো ময়াস্যৈব প্রাপ্তা সম্যক্ ইহাগী ॥ বৈ ইয়ন্ত্রি নাম নেকগুণা
১৫৯ সুখিং যস্যাগমো ময়া ॥ স্যৈব প্রাপ্তি ভবন স্মৃতমং । ঠং সমাসাদ্যেগা
স্মারকৈ লাগপিত্থ লোকৈ ॥ ঠং ভবন প্রাপ্ত স্মৃতং সর্ব্বকালে তু যাত্রুর ॥
স্যৈব স্মৃতনম্ব বালে ব স্মৈ দারিদ্র দুঃখিং । স্যৈব সর্ব্বগ্রেষ্ঠি মহাবনযগা

নাদীনবস্থানিহ স্বশ্বদাবামহন্দে সদাসী দিবোলোচনান্যামে মাসানি যোত
হৃত্যে সেষ্যাপিম হক্রোণে: সোনহ যাযথুস্বামেনা সর্বসত্বেষু সর্বেষ্যা
১৯২ যেষ্ঠ ঠ ন্তুযন সর্বকান: ঋতীনুহ্বাসন্নসম্বঠ সত্রানুসঙ্কৃত্য সানন্দ
স্ত্রিগনেবেষ্ঠ সবামানা: স্বাস সন্যোয্য সন্যো যথা যায় সংশ্রেবা
যন সাত ক্ষমা সত্বে সম্বঙ্কা ধানাঘেন্দ্রে ইনাকোটীসহস্রৈরনেকোগিবা:

[illegible]

ইদং কর্ম্ম করোমি কৃষ্ণায় বৈষ্ণবে নমো নমো যস্য মামীষ্টে হরিঃ হরি
তস্মাদ্বিহায় ব্রহ্মা হিমবৎ মনাস্ত্বা বাবস্থিমানদীনবদ
১৬৫ সোবানযার কর্ত্তবোঃ ভৈঃ যত্র দরযগাত্রে ষাম নেক্ষে যাত্রাক্ষণ
যত্র যত্র মহমহমাণা মহিতস্য ঈক্ষোঃ যাদযো নযথা যত্র সত্যঃ
যতো দেগ যন্তং মারহ্ব০। ক্ষমস্ব দন্তু যথা বানেন যথা মৃতেন যথার্থ

THE INSTITUTE FOR ADVANCED STUDIES OF WORLD RELIGIONS

FILM—STRIP NO. MBB—1971—45-48,49,50

BUDDHIST SANSKRIT MANUSCRIPTS

वंकरुपहंतथाकरेष्यामि यथासर्वेत्वद्भाद्वीयावस्तिष्ठतिभगवतश्चाश्रवकाङ्क्षा
गमिष्यन्तीति । अथ देवाक
रस्सावर्हिर्मण्डलवाहक
यथाकाशन्नवारेनेकः
सुरश्मिरूपयष्टिकायद्वयिहम्मयनेवमहकरवेगानेनोरणमहिरसं

रं सावर्वारुथं प्रहर्षयन्नुमनवाङ्गुलस्यान
मयगन्धयाषाणमर्करकुयोतमसङ्कुहङ्
मासकयद्वामकतायानानामयावकीनं

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ग्रहवशमित्यकामृद्धिकश्च पृथिवानेयशिकः। अत्रानुवेशगवांपद्धतसम्
श्रीस्वयोमहाकरुणया यदीगशब्दयश्च माथ्यलेयं वाम्मिकाविको
ऽङ्कुरुस्वयोलिशब्दं चित्राकानकरेघ्यशीशिवेदेवाश्वाघ्रातक
वटकेमागशथाशलोऽ गवशाशब्दुणसम्श्रीस्वयेनशत्रुस्वयेक
नन्यावर्कशानावनहेनानेकम्बुणशनीशीतेनशीगानासाप्यासनक

নবা যস্মানেন ইদমেব যস্ত্র গণ্ডকং সমারভ্য বতাত্তং বিদিত্বা যাবত্তামন্ত্রে
যেন্দ্রালাদেবানাং ব্রহ্মাঃ সানোঽস্তাগ্র্যসম্বৃত্তং সবৈত্তয়স্কর্ত্তব
১৬৯ হংসরাজোগগনস্তনম্ যেত্যস্য মহাস্তোত্রনকায়স্য সনাস্যস্তিয়
সাদয়বৈবানয়াত্তিহা যালিপ্রদলঘিত্তমারব্ধং সত্তবার্ম্মকথিকো
জিষ্ণুস্তগগনস্তনস্তুবনোক্যহাকস্তু মীহগাস্য সয়াস হর্ষেরন্তকেত্তং

एकाग्रमनुवासङ्गं कृत्वा सकेशं शरमण्डलं पृथिव्याघ्रेऽ स्वाग्यङ्गं करयुग्मं सुवि
रानन्दमनुदबोधनात्मा आनन्दमयाकुम्भयुग्मयोऽङ्कुशसंयोगं कुरु
१६२ यनेमन्त्रं षड्मेनाहारेण जोड़ ईत्वा एकैकोऽङ्कुशं शनैस्तस्मिन्केश
वीयरेणाकृष्य दयितव्यऽ विदनुं मऽ भगवान यत्रिनेष्टं कुरु स्वाम्यायी
नन्दयुग्मयोऽङ्कुशं यमकुनाजोड़ ईत्वा ॥ सुविरानन्दं कथयति । साधवाहे

[illegible]

[illegible] कुबेरानन्दनदक्षिणादेशनाथ [illegible]

दिवाकरः कारवाह [illegible] दुर्ग्रीयामना [illegible] कामसमन्वितः [illegible]

१३ दक्षिणक्रमेणतु [illegible] विद्याप्रेयाय [illegible] कुबेरानन्दनः [illegible]

ग्रहमाहेश्वरानन्या [illegible] दानयज्ञीहदनुमाकं नगमाकर्ण [illegible]

मित्रानराङ्गनदेवगर्भैर्नेमुनसुहृनवन्धुवर्गेश्वनपूर्वप्रेतेन [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

তেন স্বরেণোদ্যোষিতগান্যেতগবতঃ শ্রাবকাশ্চ্রেনীতিন সেস্বকীয়যাসম্পা
আগচ্ছন্তুযেযুগপদুনা সেমদীয়যাসম্পা আগচ্ছন্তীতি। তত্রস্থিতা
শ্রীস্বয়ম্ভূহ্যহিমবুদ্ধি ঋমনযযাবমাত্রকগন্ধমাদনসমেরু য
গন্ধরেঘাবারণদিব কুসুদলনাম্যকন্দুনেমিবরাদিস্বসকানঃ
নমরেতসমীগাসমহযন্তনবরদ্রুমবিহারাবগাঘ্রমেঠীস্নানাগারম্মশা

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१२५

[illegible]

[illegible]

[illegible]

১৬৬ [illegible]

[illegible]

[illegible]

পাংকারঐবাগামেবরাষ্ট্রং শুভ্রঘৃণাঙ্গ্যাদনীয়ং সর্ব্বদানীয়কান্যমেবোপো
যামময়ঙ্কুযুক্তবেদক মলীয়ঙ্কিঘ্যায় স্কুবানন্দস্য দুত্তেন কাতমাঃ
১৭ বোত্তযঙ্গ সমমোঙ্গদন্তু সঙ্কুঙ্কুযস্যে যানী কাতমন্যসে ঽথেপ্রস্তু
বৈরানুন্ধেনসমুত সুত্যুহ মধ্যা সংকতমিদং দুস্বুদ্বী যশ্বিতীনকুনকোব
গ্রাময়াব্রুয়া বঙ্গাস্বয়মেব গঙ্গাপাকোয়সক নতুনবর গম্ভীরোয়া

ক্রাঠ্ঠগানে ঋষ্যনয়কানীশ্বতমাবোধেতোযাবদেকশ্চ ধ্যেনৈবকর্ম্ম
বশ্লেষ্মাদ্বষ্যনয়কা ঈশ্বতমাবোধেতোযগ্নেনকর্ম্মকর্ত্তা
নালয়নস্থয়লোদ্বিঙ্গং সাদ্বেদগয়ঞ্চ ইন্দ্রগানে কেকর্ম্ম
হানরস্যেয়ক্ষ্যাস্থা। যঞ্চ ইন্দ্রগানে ব্রেলম্বয়ঞ্চ ইন্দ্রগানে
ইর্থকয়ন্বয়ক্ষ্যাস্থা। মদনেন কর্গবন্থন্দ্রগানে ক্ষ্যাস্থ্যস্থ গানেন্দ্র

ओमार्यसुवेरानन्तुयस्मृथंऽईक्कुंसंयविदेत्वा गुरुनाग्रणीलेन थादनीयलोकनी
येनसहस्रमनुयाय ॥ यावद्ईक्कुंसंयंऽकुवदंतु विदित्वालोकहस्तु
मयनीऽयात्रगाऽसम हस्तेणद्रिग्रीवरेणाग्रादयंऽकामसुऽईक्कुंसंय
मवनोक्त्वाश्रीऽमना ॥ सुऽवऽ। सुवनुवनुगुऽसाऽश्रायमवऽमाह
सत्योत्मकहंऽवाहि। अहमेवऽईक्कुंसंयसुवनुवनुपीलेनद्रिग्रीवरेणाग्रादयो

कृ० मम्मा मृद्र संघर्ष यं वा र्म्म या क घ या य व लं ग्रह र्य्या घो या न ना क्र व्या
नृ० किम्म न्मे म रुत्रा ग्र न्य० म ठे न का ते न ठे न म म्ये न पा र्म्मा का रि
१६१ कोऽ ति क्रू र्म्म दि ठे । न थ ल्ले ● नृ के ऽ कृ ग्र ह्य ग्य र्ये वा क्र र्म्म ने ध्वा ऽ ठे ऽ म्य
ठे न म म्ये न ऽ म्य ऽ ठे क्ष्य
क र्म्मा लो वि या के न य ऽ ऽ म्य ऽ ऽ ग ऽ न म र क्ष्य र्य क्ष्मा न व्यो ग्र लो ल्ये न ऽ य ऽ

[illegible]

[illegible]

১৭১ [illegible]

[illegible]

[illegible]

सैर्म्म हंवलेषोऽवगमत। केषिद्गोगा यद्वि कनकेषिलेक्ष्यागामिकतं
केषिद्नागामिकतंकेषि न्यवृष्ठ सर्वक्रुग यहाणा दहत्वं सम्कान
तेर्ष। केषिद्नवरायांस न्यक्षाम्बोवो ईक्षानलोद्दिशानि। केषिद्गा
वकलोवो। केषिद्वरणः गमनलिक्षा यद्वानि गृहीतानि। यद्वय तास्ता
यथेद्वनेस्मावस्मभवणोंयजाग्रचाचवस्था येशा। अथदेवाकरधमावेवाह

घरकमारयोरङ्गानयदसहायकुंठधाविवमाश्चर्यमवलोक्यविस्मयाकेबुला,
ऽनश्चिरुद्धानग्रहानयत् [illegible]
लादक्षिणीयक्षेत्रादसा [illegible]
मुक्तेननामवैद्यवाथवः [illegible]
[illegible]यमित्येवमनेकानेकाभिधाभिरसहस्राभिर्गिरसञ्जनैर्मुनयोगायन

স্বস্তি শ্রীবিষ্ণুসম্ব কর্ম্মণো বৈয়াকে বৈতহীনেন ভগবত্ত্বমনেয়ত্বত্বং সর্ব্বত্র
গ্রহণোদয়ে সাক্ষাত্ — কৃষ্ণমীশ্বরমাত্মহিতে মহাবাহু গ্রামনাড়ঃ
৭৮ ত্বমবিত্তানযবেষামনু কেশবত্বত্বণ কর্ত্তব্যং। অয়ং গোত্রীতেনরম
যবেষামযশোনয়দেষ্ট স্থানং স্বথমবিত্তানযবেষামযমুনোযে
মহানং কর্ত্তব্যং মথাস্মিন্বম্মি যথায়েসাঘমাণেঽনেকে আলিপক্ষহঃ

সীতে॥ ত্বং ত্বং স্ববন্ধুবন্ধুনস্তৈঃ কৃষ্ণা ত্বং স্মরেবঃ শ্বশরীরাত্ত্বং স্ববন্ধুযীন্ নৈবস্থাপি
স্ববশাযীবশাযর্ম্মাত্ত্বং স্বস্বপ্নানাযথা হৃষ্টিকযাত্তিস্ত্বাঁস্তৈঃ কোটী
১৭২ নাত্রীবরমন্ত্রযদ্ধ্যা মন্দিরেঽনেকে দেবতা সহস্রৈর্হ্যকাবোঃ
স্বকৃত্বা স্ববনিত্বাত্মা নৈসংযবাদিগান। দিব্যঞ্চ প্রযাপ্নুবন্ত্বমুবর্ষঃ
স্বস্মৃষু যথা সোনানাদিগ্ধ্যাত্মাত্মোহনকাযো বাহ্যানাত্মাত্মগ্নকমান্তঃ